हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 5, अंकः 358, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 जून, 2021 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

भारत में कोरोना के 1 लाख 14 हजार 460 नए मामले, 60 दिन में सबसे कम

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 1,14,460नए मामले सामने आए जो 60 दिन की अवधि में सबसे कम संख्या है। इसके साथ ही दैनिक संक्रमण दर घटकर अब 5.62प्रतिशत रह गई है। वहीं, महामारी से 2,677 और लोगों की मौत हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को अपने अद्यतन आकड़ों में यह जानकारी दी और कहा किसंक्रमण के नए मामलों के साथ देश में महामारी के मामलों की कुल संख्या बढ़कर 2,88,09,339 हो गई है। वहीं संक्रमण से 2,677 और लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 3,46,759 हो गई है। करीब 42 दिन में मृतकों की यह सबसे कम संख्या है। उपचाराधीन मामलों की संख्या भी घटकर 15 लाख से कम रह गई है। छह अप्रैल को 24 घंटे में संक्रमण के 96,982 नए मामले सामने आए थे। मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को 20,36,311 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई, जिन्हें मिलाकर जांच संख्या बढ़कर 36,47,46,522, हो गई है।

दैनिक संक्रमण दर घटकर अब 5.62 प्रतिशत रह गई है और लगातार 13 दिन से यह दस प्रतिशत से कम बनी हुई है। वहीं, साप्ताहिक संक्रमण दर घटकर 6.54 प्रतिशत रह गई है। इसने कहा कि देश में अब 14,77,799 मामले उपचाराधीन हैं, जो कुल मामलों का 5.13 प्रतिशत है। वहीं, कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर सुधरकर 93.67 प्रतिशत हो गई है। पिछले 24 घंटे में 77,449 मामले कम हुए हैं। यह लगातार 24वां दिन है जब स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या संक्रमितों की संख्या से अधिक है। अब तक 2,69,84,781 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। वहीं, संक्रमण से मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत है। गौरतलब है कि देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितम्बर को 50 लाख, 28 सितम्बर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख, 20 नवम्बर को 90 लाख के पार हो गए। देश में 19 दिसम्बर को ये मामले एक करोड़ के पार और चार मई को दो करोड़ के पार चले गए।

राहत : मुंबई की सड़कों पर सोमवार से फिर दौड़ेंगी बसें, फेस मास्क पहनना अनिवार्य

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार की अनलॉक प्रक्रिया के तहत सोमवार से आम जनता के लिए बस सेवा शुरू हो जाएगी। बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट ने इसकी जानकारी दी है। यात्रियों की संख्या किसी भी बस में सीटों की संख्या से अधिक नहीं होगी। इस यात्रा के दौरान फेस मास्क पहनना अनिवार्य होगा। महाराष्ट्र के ठाणे और नवी मुंबई के निगमीय क्षेत्रों को कोरोना वायरस के चलते लगाई गई पाबंदियों में ढील देने से संबंधित महाराष्ट्र सरकार की पांच स्तरीय योजना की दूसरी श्रेणी में रखा गया है। इस योजना का आधार साप्ताहिक संक्रमण दर एवं भरे हुए ऑक्सीजन बेड का प्रतिशत है। ठाणे के जिलाधिकारी राजेश नारवेकर द्वारा जारी अधिसूचना में कल्याण डोम्बिवली निगम क्षेत्र को तीसरी श्रेणी में रखा गया है। दूसरी श्रेणी उन शहरों एवं जिलों के लिए है जहां संक्रमण दर पांच फीसद है और 25 से 40 फीसद ऑक्सीजन बेड भरे हैं। तीसरी श्रेणी के तहत ऐसे क्षेत्र आयेंगे जहां सक्रमण दर पांच से दस फीसद के बीच है और 40 फीसद से अधिक ऑक्सीजन बेड भरे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि सरकार कोरोना वायरस के चलते राज्य में लागू पाबंदियों में ढील देने के मामले में सोच समझकर कदम उठा रही है। उन्होंने अग्रणी उद्योपतियों के साथ हुई डिजिटल बैठक के दौरान यह बात कही।

मंत्रिमंडल विस्तार और नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने की राज्यपाल से मुलाकात

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार और नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच भाजपा उपाध्यक्ष और पार्टी के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह ने रविवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। सिंह ने राज्यपाल से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बातचीत में नेतृत्व परिवर्तन की संभावना संबंधी सवाल पर कहा ऐसा कुछ नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार और संगठन बहुत मजबूती के साथ चल रहे हैं। देश के अंदर सबसे मजबूत संगठन और सबसे लोकप्रिय सरकार उत्तर प्रदेश में ही काम कर रही है। राज्यपाल से मुलाकात की वजह के बारे में भाजपा उपाध्यक्ष ने बताया कि पार्टी का उत्तर प्रदेश प्रभारी बनने के बाद अभी तक राज्यपाल से मुलाकात नहीं हो पाई थी इसीलिए वह मिलने चले आए। इस सवाल पर कि यह मुलाकात कहीं प्रदेश मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर तो नहीं हुई, सिंह ने कहा, ह्यह्यायह एक औपचारिक और व्यक्तिगत भेंट थी। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच भाजपा उपाध्यक्ष राधा मोहन सिंह और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन बीएल संतोष ने पिछले हफ्ते राजधानी लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और डॉक्टर दिनेश शर्मा तथा प्रदेश के तमाम मंत्रियों और वरिष्ठ पदाधिकारियों से अलग-अलग बैठक की थी।

नीट व जेईई मेंस को नहीं किया जाएगा रद, अगले हफ्ते तक जारी हो जाएगा परीक्षा का कार्यक्रम

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा रद होने के बाद सरकार के सामने अब नीट (नेशनल एलिजविलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) और जेईई (ज्वाइंट एंट्रेंस एक्जाम) मेंस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं को भी रद करने का दबाव बढ़ने लगा है। हालांकि इन सब के बावजूद केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने साफ संकेत दिया है कि नीट और जेईई मेंस की परीक्षाएं रद नहीं होंगी। कोरोना संक्रमण की स्थिति में और सुधार होने के बाद इन्हें तुरंत कराया जाएगा। नेशनल टेक्स्टग एजेंसी (एनटीए) ने इस बीच अगले हफ्ते तक नीट और जेईई मेंस से जुड़ी परीक्षा का कार्यक्रम जारी करने के भी संकेत दिए हैं। शिक्षा मंत्रालय और एनटीए से जुड़े सूत्रों के अनुसार, नीट और जेईई मेंस के संबंध में पीएमओ से भी हरी झंडी मिल गई है। ऐसे में इन परीक्षाओं को लेकर तैयारी तेज कर दी गई है। मंत्रालय का मानना है कि देश के ज्यादातर राज्यों में बोर्ड परीक्षाएं नहीं हुई हैं। छात्रों को आंतरिक आकलन के आधार पर अंक दिए जा रहे हैं। ऐसे में इन प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में बगैर प्रवेश परीक्षा के छात्रों का चयन ठीक नहीं होगा। इससे कई तरह के नए सवाल भी पैदा होंगे। वैसे भी दिल्ली सहित देश के सभी राज्यों की संक्रमण स्थिति में जिस तेजी से सुधार हो रहा है और लाकडाउन हटाया जा रहा है, उससे मंत्रालय

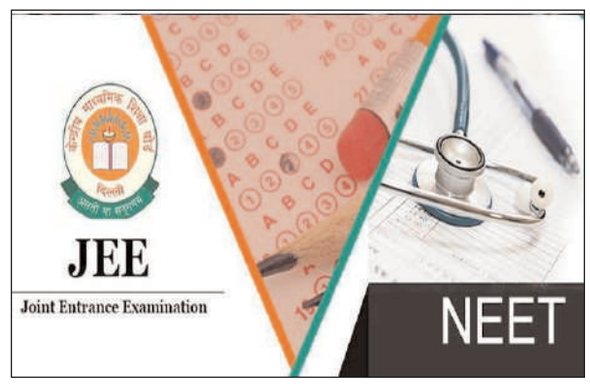

उत्साहित है। मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के अनुसार केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए प्रस्तावित संयुक्त प्रवेश परीक्षा को भी इसी साल से ही कराने की तैयारी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इसकी सिफारिश की गई थी। इसके बाद मंत्रालय ने भी इस सिफारिश को नए शैक्षणिक सत्र से लागू करने का एलान किया था। हालांकि कोरोना की नई लहर के आने के बाद इसकी तैयारियां प्रभावित हुई हैं, लेकिन अब उन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है। सूत्रों की मानें तो इससे दो उद्देश्य पूरे होते दिख रहे हैं। पहला राष्ट्रीय शिक्षा नीति की एक बड़ी सिफारिश को तय समय से लागू करने का लक्ष्य पूरा होगा, दूसरा प्रतिभाशाली छात्रों को दाखिले में पूरी तरह से न्याय भी मिल सकेगा। साथ ही दाखिले को लेकर होने वाला भटकाव भी खत्म होगा।

कोविड-19 : ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- वायरस का डेल्टा स्वरूप 40 प्रतिशत ज्यादा संक्रामक

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री मैट हैनकॉक ने रविवार को कहा कि पहली बार भारत में सामने आया कोरोना वायरस का डेल्टा या बी1.617.2 स्वरूप अल्फा या तथाकथित केंट स्वरूप (वीओसी) से 40 प्रतिशत ज्यादा संक्रामक है। वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री ने कहा कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में हालिया बढ़ोतरी के पीछे डेल्टा स्वरूप का प्रसार है और इसने 21 जून से निर्धारित अनलॉक योजना को और मुश्किल बना दिया है। उन्होंने हालांकि यह भी बताया कि डेल्टा स्वरूप की वजह से अस्पताल में भर्ती अधिकतर लोगों को टीके नहीं लगे थे और 'बेहद कम' लोगों को ही कोविड-19 टीकों की दोनों खुराक लगी थीं।

योगी के चेहरे पर ही भाजपा लगाएगी यूपी में दांव, सरकार और संगठन में छिटपुट बदलाव और फेरबदल से इंकार नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना के प्रकोप के बीच भी राजनीति गर्म रही तो शायद इसका सबसे बड़ा कारण अगले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश में होने वाला चुनाव है। यूं तो

बंगाल चुनाव ने ही विपक्ष का मनोबल बढ़ा दिया है, लेकिन उत्तर प्रदेश खास है और इसका अंदाजा विपक्ष से ज्यादा सत्ताधारी भाजपा को है। विपक्ष ने योगी सरकार को घेरने की रणनीति तय की है, खुद भाजपा के अंदर कुछ स्तरों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से नाराजगी भी जताई जा रही है। लेकिन सूत्रों की मानें तो आज के दिन भाजपा योगी के चेहरे को ही जिताऊ मानती है और उनके चेहरे पर ही दांव लगाएगी। खुद योगी को भी साबित करना होगा कि केंद्रीय नेतृत्व ने जिस भरोसे के साथ प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी थी, वह उस पर खरे हैं और लोगों का भी विश्वास है। माना जा रहा है कि जनवरी में विधानसभा चुनाव की घोषणा होगी। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में भाजपा के बड़े नेताओं की समीक्षा बैठक ने अटकलों को तेज हवा दी। लेकिन भाजपा के सूत्र प्रदेश सरकार व संगठन में किसी बड़े बदलाव की संभावना और मुख्यमंत्री उम्मीदवार में बदलाव को खारिज करते हैं। सूत्रों के अनुसार, यह सच है कि राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष और प्रभारी राधामोहन सिंह के साथ मुलाकात में प्रदेश के कई नेताओं ने थोड़ी नाराजगी जताई थी। नौकरशाही को मिल रही वरीयता और कार्यकताओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगा था। लेकिन ऐन चुनाव के वक्त यह बदलाव का कारण नहीं बन सकता। योगी ने तब सक्रियता दिखाई जब कोरोना काल में कई जनप्रतिनिधि घर में घुसे बैठे थे। उन्होंने दौरा किया और लोगों का हौसला बढ़ाया। उस वक्त सपा के मुखिया अखिलेश भी दूर रहे और कांग्रेस प्रभारी प्रियंका ट्विटर पर ही दिखीं। योगी कोरोना के प्रबंधन में सक्रिय दिखे। पहली लहर को काबू करने और दूसरी लहर को थामने की कोशिश की।

दुष्कर्म मामले में सजा काट रहा राम रहीम कोरोना संक्रमित, मेदांता अस्पताल में भर्ती

नोएडा (एजेंसी)। दुष्कर्म मामले में रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे राम रहीम को रविवार को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। पेट दर्द के बाद टेस्ट के लिए उसे मेदांता लाया गया था। अस्पताल में उसकी कोरोना जांच की गई, जिसमें वह संक्रमित पाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक पिछले दिनों पेट में दर्द की शिकायत के बाद उसे पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया था। वहां डॉक्टरों ने पेट का सीटी स्कैन किया। इसके बाद डॉक्टरों ने पेट स्कैन और दूसरी जांच की सलाह दी लेकिन उसकी वहां सुविधा नहीं थी। इसलिए उसे मेदांता ले आया गया। पीजीआई रोहतक में उसने कोरोना जांच कराने से मना कर दिया था। मेदांता प्रबंधन के मुताबिक राम रहीम को रविवार सुबह करीब 11:30 बजे अस्पताल लाया गया। वहां वरिष्ठ चिकित्सकों की निगरानी में उसकी प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की गई। इसके बाद कोरोना जांच हुई, जिसमें वह संक्रमित पाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक हार्ट और पेट की जांच रिपोर्ट आने के बाद उसका उपचार किया जाएगा। राम रहीम लंबे समय से ब्लड प्रेशर व डायबिटीज से भी पीड़ित है। सूत्रों के मुताबिक राम रहीम अस्पताल पहुंचते ही हनीप्रीत से मिलने की जिद कर रहा था। सुरक्षा कारणों से अस्पताल के बाहर अतिरिक्त पुलिस की तैनाती की गई है। राम रहीम के मेदांता पहुंचते ही उसके समर्थक भी वहां पहुंच गए लेकिन लेकिन किसी को भी अस्पताल परिसर में दाखिल नहीं होने दिया गया।

अखिलेश यादव बोले- किसानों के साथ लगातार छल कर रही सरकार

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में प्रदेश में सबसे ज्यादा हालत किसानों की ही खराब हुई है। आर्थिक रूप से उस पर बहुत चोट हुई है। एक साल पहले काले कृषि कानूनों से जो बुनियाद रखी गई उससे पूरी कृषि अर्थव्यवस्था ही चौपट हो गयी। इसके विरोध में किसानों का बड़ा आंदोलन जारी है। किसानों के साथ सरकार छल कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि दो गुनी आय का सपना दिखाने वाली सरकार ने किसानों को उनकी फसल का लाभकारी मूल्य ही नहीं दिया। गेहूं की एमएसपी 1975 रुपये प्रति कुंतल देने के बजाय किसानों को औने-पौने दामों पर बिचौलियों के हाथ गेहूं बेचना पड़ा। इससे पूर्व धान की फसल मामले में भी किसानों के साथ लूट हुई। गन्ना किसान तो प्रदेश में बुरी तरह मार खाया हुआ

है। पेराई सीजन में भी उसके गन्ने की खरीद नहीं हुई। चीनी मिलों पर किसानों का 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का आज भी बकाया है। बकाये पर ब्याज का प्रावधान भी है पर जब मूलधन ही नहीं मिल रहा है तो ब्याज कौन देगा? किसान समृद्धि योजना भी चालू है लेकिन यह किसान को धोखा देने की नयी भाजपाई साजिश है। खाद की बोरियों की तौल में कमी करके और उसके दाम बढ़ाकर किसान के साथ खेल किया जा रहा है। डीजल के दाम बढ़ाने से किसान तो प्रभावित होता ही है, परिवहन महंगा होने से खाद्य वस्तुएं भी महंगी होने लगती हैं। एक तीर से अन्नदाता और अन्य उपभोक्ता दोनों को शिकार बनाने का यह भाजपाई षड्यंत्र है। भाजपा के विकास मॉडल की पोल खुल गई है।

केजरीवाल का केंद्र से सवाल, देश में पिज्जा-बर्गर की होम डिलीवरी हो सकती है, राशन की क्यों नहीं?

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहिए कि केंद्र ने उनकी सरकार की घर-घर राशन योजना को क्यों रोका। उन्होंने कहा कि इस योजना को राष्ट्रहित में मंजूरी दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में घर-घर राशन योजना सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में लागू होनी चाहिए, क्योंकि राशन की दुकानें सुपरस्प्रेडर हैं। केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों की सरकारों से लड़ने का आरोप लगाते हुए कहा, इतने मुसीबत के समय केंद्र सरकार सबसे झगड़ रही है। आप (केंद्र) ममता दीदी से, झारखंड सरकार से, लक्षद्वीप के लोगों से, महाराष्ट्र सरकार से, दिल्ली के लोगों से और किसानों से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ने के बजाय आपस में ही लड़ेंगे तो महामारी कैसे निपटेंगे। केजरीवाल ने एक डिजिटल पत्रकार वार्ता में प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए कहा, आज

मैं बेहद व्यथित हूं और मैं सीधे आपसे बात करना चाहता हूं दिल्ली में अगले हफ्ते से घर-घर राशन पहुंचाने का काम शुरू हो जाना था। मुख्यमंत्री ने कहा, सरकारी तैयारियां हो चुकी थीं और यह क्रांतिकारी कदम होने वाला था, लेकिन अचानक दो दिन पहले आपने (प्रधानमंत्री) इसे रोक दिया। क्यों सर आपने ऐसा क्यों किया?

गोरखपुर में एनकाउंटरः अंडरवर्ल्ड डॉन खान मुबारक का दाहिना हाथ था परवेज, नेपाल से चलाता था वसूली का सिंडिकेट

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर जिले के चिउटहा पुल के पास रविवार की दोपहर एसटीएफ की गोरखपुर इकाई ने अंबेडकरनगर माफिया खान मुबारक के शूटर परवेज को मुठभेड़ में ढेर कर दिया। परवेज पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ के दौरान परवेज ने भी एसटीएफ टीम पर फायरिंग कर भागने की कोशिश की लेकिन घेराबंदी कर उसे एसटीएफ ने मार गिराया। मुठभेड़ के बाद परवेज को स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मारे गए इनामी बदमाश का एक साथी भाग निकला है। फरार हो गया है, जिसकी तलाश में टीम लगगई गई है।

जानकारी के मुताबिक, एसटीएफ गोरखपुर यूनिट के प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि एक लाख का इनामी बदमाश परवेज महराजगंज की तरफ से शहर की तरफ आ रहा है। वह अंबेडकरनगर जिले के एक व्यापारी से उसने रंगदारी मांगी है, जिसे लेने के लिए वह साथी के साथ जा रहा है। अफसरों को सूचना देने के बाद प्रभारी निरीक्षक टीम को लेकर चिउटहा पुल के पास

पहुंचकर घेराबंदी शुरू कर दिए थे। तभी बाइक से साथी के साथ आ रहा बदमाश को टीम ने रोका तो फायरिंग कर कुदरिया बंधे की तरफ भाग निकला। पीछा करने पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के सीने व पैर में गोली लग गई। गंभीर स्थिति में एसटीएफ की टीम परवेज को सीएचसी जंगल कौड़िया पहुंचाया जहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अंबेडकर नगर जिले के अलीगंज टांडा थाना क्षेत्र के मकदूमनगर निवासी शूटर परवेज की एक साल से एसटीएफ और पुलिस तलाश में जुटी थी। चर्चा है कि उसने गोरखपुर में भी किसी की हत्या करने की सुपारी ली थी। जिसके बाद एसटीएफ की गोरखपुर यूनिट ने परवेज की तलाश शुरू कर दी थी। अंबेडरनगर जिले की क्राइम ब्रांच उसकी तलाश में महाराष्ट्र व मध्य प्रदेश में छापेमारी कर रही थी। कई करीबियों को भी जेल भेजा गया था।

आतंक का पर्याय बन चुके परवेज ने अंबेडकर नगर और आसपास के जिले के व्यापारियों से वसूली शुरू कर दी थी। जिसके बाद वह एसटीएफ के निशाने पर आ गया था। बताया जा रहा है कि रविवार को वह नेपाल से गोरखपुर पहुंचा था। गोरखपुर में किसी करीबी से मुलाकात करने के बाद उसे अंबेडकर नगर जाना था। लेकिन सूचना मिलने पर एसटीएफ ने चिउटहा पुल के पास घेर लिया।

संपादकीय

अतीत को भूले बिना पश्चिम के साथ

राजा राममोहन राय (1772-1833) ने पश्चिमी विचार और संस्कृति की सकारात्मक चीजें अपनाकर हमारे समाज और धर्म में सुधार लाने की कोशिश की थी। इस अर्थ में उनकी भूमिका वैसी ही थी, जैसी कि पश्चिमी संदर्भ में मार्टिन लूथर (1483-1546) की थी। लूथर ने जिस तरह मध्यकालीन गिरावट और भ्रष्टाचार के खिलाफ बाइबल को मानक बनाया, उसी तरह राममोहन ने वेद को मानक माना, क्योंकि उन्होंने पाया कि यह प्राचीनतम हिंदू धर्मग्रंथ पवित्र और मिलावट रहित है। लेकिन लूथर से वह इस अर्थ में अलग थे कि उन्होंने दूसरी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में जो कुछ श्रेष्ठ और उपयोगी पाया, उसे हिंदू धर्म और विचार में शामिल किया। उदाहरण के लिए, मुस्लिमों से मेलजोल के कारण उन्हें एकेश्वरवाद ने आकर्षित किया, तो ईसाइयत की नैतिक शिक्षा से भी वह प्रभावित थे और मानते थे कि आध्यात्मिक चिंतन के लिए संन्यास या वैराग्य जरूरी नहीं है। सुभाष चंद्र बोस ने यह रेखांकित किया कि राममोहन पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने भारतीय संस्कृति को पश्चिम की वैज्ञानिक संस्कृति से जोड़ा। सुशोभन सरकार के मुताबिक, 'भारतीय पुनर्जागरण यह धारणा विकसित करने के कारण ही संभव हो पाया कि भारत अपने अतीत को भूले बिना बाहरी दुनिया के आधुनिक सभ्यता के साथ घुल-मिल सकता है।% राममोहन भारतीय पुनर्जागरण काल के शुरुआती दौर के सबसे प्रभावशाली उदाहरण थे। इतिहासकार रमेश चंद्र मजूमदार के मुताबिक, 19 वीं शताब्दी के समाज, धर्म और राजनीति से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण विचारों और गतिविधियों से संबंधित उपलब्धियां राममोहन के कारण ही थीं। पश्चिमी समाज के लिए हेगेल जितने महत्वपूर्ण थे, भारतीय समाज के लिए राममोहन उतने ही महत्वपूर्ण हैं। राममोहन राय ने अध्ययन के दौरान यह पाया कि प्राचीन वैदिक युग अच्छा दौर था, लेकिन परवर्ती युग में आए बदतर बदलावों ने मूर्तिपूजा, बहुदेववाद, बाल विवाह, विधवा विवाह पर प्रतिबंध, सती प्रथा, जाति प्रथा और ब्राह्मणवाद जैसी सामाजिक बुराइयों को जन्म दिया।

उन्होंने सप्रमाण यह तर्क दिया कि व्यापक रूप से प्रचलित हो चुकी इन समकालीन प्रथाओं के बारे में वेदों और उपनिषदों में उल्लेख नहीं है, इसलिए मौलिक परंपराओं का पुनरुद्धार हमारा सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य होना चाहिए। लेकिन यह सुधार और पुनरुद्धार बहुत कठिन काम था और सामाजिक उन्नति में ब्रिटिश सरकार को बड़ी भूमिका निभानी थी। सरकार को व्यापक रूप से दो क्षेत्रों में कदम उठाने चाहिए थे, पहला-अमानवीय सामाजिक प्रथाओं पर प्रतिबंध लगाना, तथा दूसरा-अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करना। इस प्रक्रिया में सरकार समर्थित शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती थी, क्योंकि अज्ञान के कारण सामाजिक बुराइयों के प्रति समाज में जो स्वीकार्यता पैदा हो गई थी, उसे शिक्षा ही दूर कर सकती थी। चारों और कुतर्क का वातावरण था। ऐसे में, ब्रिटिश प्रशासन ही देश में व्याप्त गंभीर सामाजिक बुराइयों को दूर करने का सबसे उपयुक्त माध्यम हो सकता था, जो अपने शासन को ऐसा दूरदर्शी और कृपालु कदम मानता था, जिसके जरिये भारत सामाजिक उन्नति और अंतत: आजादी हासिल कर सकता था। ब्रिटिशों का पहला कदम शादी, उत्तराधिकार, राजस्व, आपराधिक कानून और न्याय प्रणाली के क्षेत्र में उदारवादी कानूनी सुधार था। देसी शिक्षा पद्धति को पश्चिमी शिक्षा से बदल दिया जाना था, क्योंकि भारतीय शिक्षा का समाज में व्यावहारिक इस्तेमाल नहीं हो सकता था। राममोहन ने आधुनिक दर्शनशास्त्र, रसायन विज्ञान, शरीर रचना शास्त्र और दूसरे जरूरी विज्ञान को अपनाया। इसी तरह मूर्ति पूजा, जाति प्रथा और ब्राह्मणवाद से छुटकारा दिलाने के लिए उन्होंने ब्रह्म समाज की स्थापना की। देश में आधुनिकता का प्रसार करने के लिए राममोहन उस हिंदू कॉलेज की स्थापना से जुड़े, जो बाद में प्रेसीडेंसी कॉलेज के रूप में प्रसिद्ध हुआ। राममोहन के महत्व को इसी से समझा जा सकता है कि देश में 19वीं सदी से जुड़े सभी सुधार उन्हीं से जुड़े थे।

ऐसे कैसे लड़ेंगे कोरोना से: वैक्सीनेशन की सुस्त रफ्तार, कैसे मिलेगी सबको वैक्सीन?

शशांक द्विवेदी

देश में कोरोना की दूसरी लहर से कोहराम मचा हुआ है, हर दिन हजारो लोग असमय काल कलवित हो रहे हैं। देश के कई राज्यों में ऑक्सीजन की कमी बनी हुई है। ऐसे मे बड़ा सवाल यह है कि इससे कैसे निपटा जाए, तो इसका जो सबसे सटीक जवाब फिलहाल नजर आता है, वो है सभी का जल्द से जल्द वैक्सीनेशन। लेकिन वर्तमान हालत को देखते हुए देश में टीकाकरण की प्रगति संतोषजनक नहीं है, कई राज्यों में वैक्सीन की कमी हैं। कोरोना को रोकने के लिए वैक्सीनेशन है सबसे बड़ा हथियार, लेकिन वैक्सीन की किल्लत बड़ी चुनौती बन गई है।

ऐसे वक्त में जब देश में कोरोना संकट की दूसरी लहर गंभीर स्थिति पैदा कर रही है, वैक्सीन ही अंतिम कारगर उपाय नजर आता है। ऐसे में बचाव के परंपरागत उपायों के साथ टीकाकरण अभियान को गति देने की जरूरत है, ताकि देश संपूर्ण लॉकडाउन जैसे उपायों से परहेज कर सके। पिछली बार देशव्यापी लॉकडाउन से जहां देश की आर्थिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ा था, वहीं एक बड़ी आबादी को शहरों से गांवों की ओर विस्थापित होना पड़ा था। बड़े पैमाने पर रोजगार का संकट भी पैदा हुआ था। दरअसल, टीकाकरण अभियान की विसंगतियों को दूर करके इस अभियान में तेजी लाने की जरूरत है। वैक्सीन आपूर्ति को लेकर गैर भाजपा शासित राज्यों की शिकायतों के बाद आरोपों-प्रत्यारोपों का सिलसिला भी जारी है। वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी को अनुचित बताते हैं और कहते हैं कि पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन की आपूर्ति की जा रही है। उनका मानना है कि ऐसी बयानबाजी से जहां लोगों का मनोबल प्रभावित होता है, वहीं देश की अंतर्राष्ट्रीय छवि पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय अनुबंधों के चलते सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को वैक्सीन की सप्लाई में तेजी लाने में दिक्कत आ रही है। उसका कहना है कि अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा वैक्सीन में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल के निर्यात पर रोक लगाने से उत्पादन प्रभावित हुआ है। फिलहाल अमेरिका ने वैक्सीन निर्माण के लिए कच्चे माल की आपूर्ति सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया है। वहीं अंतर्राष्ट्रीय कोवैक्स कार्यक्रम के तहत वैक्सीन देने के लिए सीरम। इंस्टीट्यूट कानूनी रूप से बाध्यकारी है। उसे ग्लोबल अलायंस फॉर वैक्सींस एंड इम्युनाइजेशन के तहत विकासशील मुल्कों को वैक्सीन देनी ही होगी। वहीं मांग की जा रही है कि देश में कोरोना संक्रमितों के आंकड़ों में

तेजी के बाद वैक्सीन डिप्लोमैसी बंद की जानी चाहिए और पहले घरेलू जरूरतों को पूरा किया जाना चाहिए। वैसे पिछले माह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री आश्वासन दे चुके हैं कि भारतीयों की कीमत पर वैक्सीन का निर्यात नहीं किया जायेगा।

केंद्र सरकार के अनुसार कोरोना महामारी से बचाव के लिए अब तक भारत में 17 करोड़ से ज्यादा टीके दिए जा चुके हैं। दुनिया में किसी भी और देश ने 17 करोड़ लोगों को इतनी तेजी से वैक्सीन नहीं दिया है। लेकिन देश की बड़ी जनसंख्या को देखते हुए यह नाकाफी है। अचरज की बात यह है कि एक तरफ जहां देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या में रिकार्ड बढ़ोत्तरी हुई है, वहीं पिछले कुछ दिनों से वैक्सीन लेने वालों की संख्या घट रही है। कोरोना के हालात पर एसबीआइ की रिसर्च रिपोर्ट बताती है कि मौजूदा रफ्तार से दिसंबर, 2021 तक केवल 15 फीसदी आबादी को दोनों डोज वैक्सीन लगाई जा सकेगी। दूसरी तरफ लगभग 21 करोड़ आबादी को दोनों डोज वैक्सीन देकर अमेरिका 25 फीसदी का आंकड़ा पार कर चुका है, तो लगभग चार करोड़ लोगों का वैक्सीनेशन कर इंगलैंड 15 फीसदी के पास पहुंच चुका है। भारत में वैक्सीन की इस सुस्त रफ्तार के पीछे कई वजहें बताई जा रही हैं। आम जनता के बीच वैक्सीन को लेकर ऊहापोह और बेवजह डर की स्थिति भी एक कारण रही है। लेकिन अभी वैक्सीन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने को भी एक अहम कारण माना जा रहा है। कारण जो भी है दुनिया के तमाम बड़े महामारी विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी संख्या में ढांचागत सुविधा लगाने के साथ आक्रामक तरीके से वैक्सीन कार्यक्रम को विस्तार देने से ही मौजूदा संकट से निकला जा सकेगा।

अमेरिकी सरकार के प्रमुख मेडिकल एडवाइजर डॉ. एंथोनी फौसी ने शुक्रवार को कहा कि भारत बेहद खराब दौर से गुजर रहा है, लेकिन उसे टीकाकरण बढ़ाने की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख टेड्रोस आधनोम घेबरेसस ने भी भारत को वैक्सीन पर जोर देने को कहा है। एसबीआइ रिपोर्ट का मानना है कि महाराष्ट्र अपने पीक पर पहुंच चुका है और अब वह उतार पर है, जबकि बाकी देश में पीक पहुंचने में 15-20 दिन का वक्त लगेगा और इसका बड़ा कारण भी टीकाकरण में सुस्ती है। रिपोर्ट ने 1918 के स्पेनिश फ्लू का भी उदाहरण दिया है और बताया है कि बाद के लहर में ज्यादा मौत होती है, इसीलिए टीकाकरण की गति तेज होनी ही चाहिए। देश में अब 18 साल से ऊपर के सभी लोगों का टीकाकरण शुरू हो चुका है। केंद्र सरकार बार-बार कह भी रही है कि टीकाकरण अभियान पूरी तेजी से चल रहा है, टीकों की कहीं कोई कमी नहीं है। लेकिन सरकार के अपने ही आंकड़े इस बात से मेल नहीं खाते। 18 से 44 साल तक के सभी लोगों के लिए वैक्सीनेशन 1 मई से शुरू हुआ है। इस आयु वर्ग में अभी तक सिर्फ 25 लाख लोगों का वैक्सीनेशन हो पाया है। 18 से 45 साल आयु वर्ग के लिए वैक्सीन का इंतजाम राज्य सरकारों को करना है और राज्य लगातार ये कह रहे हैं कि वैक्सीन की सप्लाई रुक गई है, इसलिए वैक्सीन की कमी के चलते 10 दिनों में करीब 10 हजार वैक्सीनेशन सेंटर घटाए गए हैं।

भारत के ड्रग रेगुलेटर-ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने वैक्सीन पर बनी एक्सपर्ट कमेटी की सिफारिशों को मान लिया है। यानी अब मॉडर्ना, फाइजर और जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन भी देश में जल्द उपलब्ध हो सकती हैं। नेशनल एक्सपर्ट ग्रुप ऑन वैक्सीन एडमिनिस्ट्रेशन फॉर कोविड-19 ने अमेरिका, यूरोप, ब्रिटेन, जापान और विश्व स्वास्थ्य संगठन से मंजूर वैक्सीन को इंपोर्ट करने का सुझाव दिया था। पिछले दिनों भारत के ड्रग रेगुलेटर ने रूसी वैक्सीन स्पुतनिक को भी मंजूरी दे दी है। विदेशी वैक्सीन को मंजूरी की राह खुलते ही देश में वैक्सीन डोज की कमी और सबको वैक्सीन लगाने की राह में आ रही अड़चनें दूर करने में मदद मिलेगी। कुल मिलाकर देश में वैक्सीन की कमी दूर करने का सिर्फ एक ही उपाय है कि केवल दो कंपनी से पूरे देश को वैक्सीन देना संभव नही, वैक्सीन का फॉर्मूला अन्य कंपनियों से साझा किया जाए और भारत में अन्य कई कंपनियों को वैक्सीन बनाने की इजाज़त दी जाए।

उत्तर और दक्षिण के गांधीवादी...जानिए इन्होंने हमें क्या सिखाया

रामचंद्र गुहा

मई के एक अकेले हफ्ते में तीन शानदार भारतीयों का निधन हो गया। ये सभी महात्मा गांधी से गहरे तक प्रभावित थे, हालांकि उनमें से प्रत्येक ने अपने गांधीवाद को अलग तरह से और अलग भौगोलिक क्षेत्रों में अभिव्यक्त किया। उनमें से एक उम्र के आठवें दशक में थे, दूसरे नौवें दशक में और तीसरे ने इस ग्रह में सौ वर्ष से अधिक का समय व्यतीत कर लिया था। लिहाजा उनकी मृत्यु पर शोक जताने के साथ ही हमें उनके जीवन का उत्सव भी मनाना चाहिए। इन गांधीवादियों में सबसे पहले विदा लेने वाले उत्तराखंड के सुंदरलाल बहुगुणा थे। 1973 में जब ऊपरी अलकनंदा घाटी में चिपको आंदोलन शुरू हुआ, तब तक बहुगुणा सामाजिक कार्यों में कई दशक बिता चुके थे। चिपको के शुरुआती प्रदर्शनों का नेतृत्व चंडी प्रसाद भट्ट ने किया था, बहुगुणा के शब्दों में वह आंदोलन के %मुख्य संचालक% थे। चमोली जिले में महिलाओं और पुरुषों ने जो कुछ किया, उससे प्रेरित होकर बहुगुणा चिपको के विचार को अपने गृह क्षेत्र में स्थित गंगा की महान धारा भागीरथी की घाटी में ले आए। यहां उन्होंने हरे-भरे वृक्षों को गिराए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया और जंगलों में लंबे उपवास किए।

सुंदरलाल जी से मैं पहली बार 1981 में कोलकाता में मिला था। मैंने तब चिपको पर अपनी पीएच.डी. के लिए शोध शुरू ही किया था और वह उस शहर में इसी विषय पर बोलने के लिए आए थे। वह मोहक और दमदार वक्ता थे और आसानी से हिंदी और अंग्रेजी, दोनों में अपनी बात रख रहे थे (निस्संदेह वह अपनी मातृभाषा गढ़वाली में कहीं और अधिक मोहक और दमदार वक्ता थे)। इसके दो साल बाद मैंने बदयार घाटी में जमीनी कार्य किया और उस दौरान उनके एक बड़े आंदोलन में हिस्सा ले चुकीं महिला किसानों के साक्षात्कार लिए। शोध के दौरान मैं चंडी प्रसाद भट्ट और सुंदरलाल बहुगुणा, दोनों का ही प्रशंसक बन गया। दिल्ली के पत्रकारों और विद्वानों में उन दोनों में से किसी एक को चिपको का 'वास्तविक' और 'सच्चा' नेता बताने की होड़ मची हुई थी। सच्चाई यह है कि दोनों ने आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा उनके झुकाव भिन्न जरूर थे, मगर एक दूसरे के पूरक।

सुंदरलाल बहुगुणा की तरह ऊर्जा, साहस, बुद्धिमत्ता और करिश्मे से लैस एक और गांधीवादी उनके निधन के पांच दिन बाद नहीं रहे। यह थे, कर्नाटक के एच एस दुरईस्वामी। 1936 की गर्मियों में जब गांधी नंदी हिल्स में स्वास्थ्य लाभ के लिए आए थे, तब एक छात्र के रूप में दुरईस्वामी ने उनसे मुलाकात की थी। इसके छह साल बाद दुरईस्वामी ने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान प्रिंसली स्टेट मैसूर में अहम भूमिका निभाई थी और जेल में काफी वक्त गुजारा था। 1950 और 1960 के दशक में दुरईस्वामी ने सर्वोदय आंदोलन में काम किया और भूमि वितरण पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि जब 1975 में आपातकाल लगाया गया, तब वह सामाजिक कार्य छोड़कर एक्टिविज्म में आ गए, नतीजतन उन्हें स्वतंत्र भारत की सरकार ने उसी तरह से जेल में डाल दिया, जैसा कि उसके सामंती और औपनिवेशक पूर्ववर्ती ने जेल में डाला था।

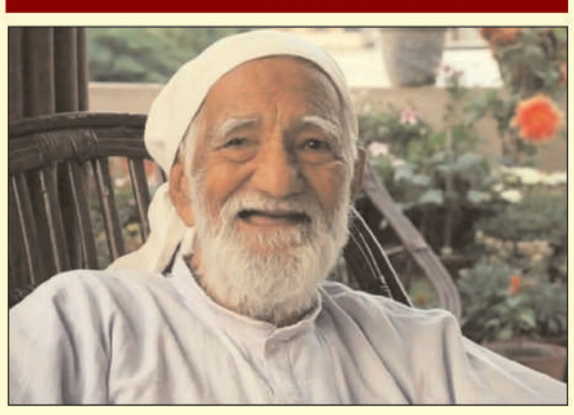

एच एस दुरईस्वामी से मैं पहली बार 1980 के दशक में तब मिला था, जब मैंने मिलिट्री इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स द्वारा पश्चिमी घाट में की जा रही पर्यावरण की बर्बादी के खिलाफ उनके नेतृत्व में हो रहे प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। मेरी उनसे आखिरी मुलाकात हुई थी, पिछले साल मार्च में। अपनी अन्य तमाम उपलब्धियों के बावजूद, स्वतंत्र भारत में गांधीवादी आंदोलन ने हिंदुत्व बहुसंख्यकवाद के उदय से गणतंत्र के लिए उत्पन्न खतरे पर कभी भी पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। (सुंदरलाल बहुगुणा कई मौकों पर विश्व हिंदू परिषद से भी जुड़े)। इस लिहाज से एच एस दुरईस्वामी अपवाद थे। उन्होंने 102 वर्ष की उम्र में अनैतिक नागरिकता संशोधन विधेयक के खिलाफ अपना आखिरी आंदोलन किया था। दिल्ली के जामिया मिलिया इस्लामिया में पुलिस दमन का सामना करने में छात्रों (विशेषकर महिला छात्रों) द्वारा दिखाए गए अनुकरणीय साहस से प्रेरित होकर, सौ बरस से अधिक के गांधीवादी ने खुद सार्वजनिक विरोध करने का फैसला किया। मार्च, 2020 में उन्होंने एक खुली जगह में शामियाना लगाकर हजारों मित्रों और शुभचिंतकों के साथ बैठकर धरना दिया। मैं भी उन्हें सुनने के लिए वहां गया था। द हिंदू ने अपनी रिपोर्ट में लिखा, 'दुरईस्वामी ने सीएए को घनघोर पक्षपाती बताते हुए उसे हमारे देश के बुनियादी सिद्धांतों के बरक्स अनैतिक करार दिया। उन्होंने कहा, मुस्लिमों ने भारतीय बनकर रहना पसंद किया। उनसे अब उनकी नागरिकता को साबित करने के लिए नहीं कहा जा सकता। सरकार की पक्षपाती नीतियों का विरोध करने से मैं राष्ट्रविरोधी नहीं हो जाऊंगा। हमें सरकार, राज्य और देश के बीच फर्क करने की जरूरत है।'

सुंदरलाल बहुगुणा और एच एस दुरईस्वामी, दोनों ही सार्वजनिक रूप से सहज थे। इन दोनों से अलग मिजाज के एक अन्य गांधीवादी का निधन बहुगुणा के निधन के बाद और दुरईस्वामी के निधन से पहले हुआ। उनका नाम था के एम नटराजन। उन्होंने अपने गृह राज्य तमिलनाडु में गांधीवादी भावना को सराहनीय रूप से मूर्त रूप दिया। नटराजन जी एक्टिविस्ट के बजाय रचनात्मक कार्यकर्ता अधिक थे। एक छात्र के रूप में गांधी से प्रभावित होकर वह 1956-57 में भूदान आंदोलन को प्रोत्साहित करने के लिए तमिलनाडु से होकर गुजरी विनोबा भावे की लंबी पदयात्रा में शामिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने अपना बचा जीवन ग्रामीण जीर्णोद्धार में लगाने का निर्णय लिया। उन्होंने अन्य चीजों के अलावा जातिगत भेदभाव खत्म करने, खादी और ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने और मंदिरों की जमीन को भूमिहीन श्रमिकों में वितरित करने की दिशा में काम किया। उनके इस अभियान में उनके करीबी लोगों में एक शानदार जोड़ा शंकरलिंगम और कृष्णनम्मल जगन्नाथन तथा खादी पहनने वाले अमेरिकी राल्फ रिचर्ड कैथन शामिल थे। 1996 में मैंने गांधीवादी अर्थशास्त्री जे सी कुमारप्पा के बारे में एक अखबार में लेख लिखा था। इस पर मदुरै से एक व्यक्ति का पत्र मुझे मिला, जिन्होंने खुद कुमारप्पा के साथ करीब से काम किया था। इसके कई साल बाद आर आर कैथन के जीवन के बारे में शोध के दौरान मुझे पता चला कि नटराजन भी उन्हें अच्छी तरह से जानते थे। लिहाजा मैं उनकी सलाह लेने के लिए मदुरै पहुंच गया। सर्वोदय कार्यालय में चाय पीते हुए नटराजन जी ने मुझे कैथन के जीवन से जुड़ी कई चीजें बताईं।

इन तीन शख्सियतों के बारे में विचार करते हुए मैंने देखा कि उनमें से प्रत्येक हमें क्या सीख दे सकते हैं। बहुगुणा ने हमें सिखाया कि मनुष्य प्राकृतिक दुनिया से न तो अलग हैं और न ही श्रेष्ठ है, इसलिए हमें अपने अस्तित्व के लिए शेष सृष्टि का सम्मान करना चाहिए। दुरईस्वामी ने हमें सिखाया कि जाति, वर्ग, लिंग या संप्रदाय के आधार पर किया जाने वाला भेदभाव न केवल भारतीय संविधान के बुनियादी सिद्धांतों के बरक्स अनैतिक है, बल्कि यह शालीनता और मानवता के भी खिलाफ है। नटराजन ने हमें सिखाया कि सच्ची आत्मनिर्भरता की शुरुआत व्यक्तिगत रूप से, अपने परिवार और अपने समुदाय के साथ काम करने से होती है, ग्रामीण स्थिरता के लिए स्थानीय कार्रवाई हमारे ग्रह के भविष्य के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने से संबंधित अंतरराष्ट्रीय समझौते।

उन तीनों को एक साझा डोर बांधे हुए थी। बहुगुणा, दुरईस्वामी और नटराजन गहराई से अपने गृह जिले, अपने गृह प्रदेश से जुड़े हुए थे और भारत और दुनिया में उनकी गहरी रुचि थी। वे लोकली काम करते हुए ग्लोबली सोचते थे। मेरा विशेषाधिकार है कि मैं उन सबको जानता था।

रोहित शर्मा के लिए टेस्ट क्रिकेट में हीरो बनने का आखिरी मौका?

विमल कुमार

अपने शानदार करियर में टेस्ट क्रिकेट ही शायद एक ऐसी पहेली है जिसे रोहित शर्मा पूरी तरह से अब तक सुलझा नहीं पाये हैं. लेकिन, आप अगर रोहित के फैन हैं, जो ये लेखक भी हैं, तो पलटकर बोलेंगे कि अरे ये क्या बात हुई। बिना पहेली सुलझाए ही रोहित का औसत 38 मैचों के बाद करीब 47 का कैसे है? ऐसा तो अजिंक्या रहाणे का भी नहीं है और चेतेश्वर पुजारा जो टेस्ट स्पेशलिस्ट और लाल गेंद वाले फॉर्मेट में दिग्गज माने जाते हैं, उनका भी औसत तो रोहित जैसा ही है, तो कैसे रोहित के लिए टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड का दौरा हीरो बनने का आखिरी मौका वाली बात कोई कह सकता है? तो अब आपको सिक्के के दूसरे पहलू से वाकिफ करातें हैं। रोहित ने घर में यानी भारत में 18 टेस्ट मैच खेलें हैं और यहां उनका करीब 80 का औसत है और इसमें 7 शतक भी शामिल हैं। ये आंकड़े आपको महान ही नहीं बल्कि महानतम के करीब ले जाएं अगर ये पूरे करियर की कहानी होती, लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू जो काफी मायूस करने वाला है और वो ये कि विदेश में खेले गए 20 टेस्ट में रोहित का औसत महज 27 का है जो उन्हें महान तो दूर की बात किसी भी प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के लिए काफी नहीं होगा। रोहित के अलावा अगर ये आंकड़े किसी और खिलाड़ी के होते तो उन्हें कब का अकेले छोड़ दिया जाता, लेकिन रोहित तो स्पेशल हैं, और ये ताना नहीं हैं। जब से रोहित ने बल्ला पकड़ा है उनके खेल को देखकर जानकर से लेकर एक आम फैन मंत्र-मुग्ध हुए बगैर रह नहीं सकता है और यही वजह है कि महेंद्र सिंह धोनी से लेकर विराट कोहली और हर चयनकर्ता ने कोशिश की है कि रोहित खुद को टेस्ट बल्लेबाज के तौर पर स्थापित कर लें. यहां तक कि ऐसा करने के लिए कभी पुजारा तो कभी रहाणे जैसे खिलाड़ियों के साथ नाइंसाफी भी हुई।

वीवी एस लक्ष्मण जब 2013 में टेस्ट क्रिकेट से रिटायर हुए तो उन्हें हर किसी को लगा कि रोहित स्वभाविक तौर पर उनकी जगह ले लेंगे. लेकिन ऐसा हुआ नहीं। आखिर में थक-हार कर रोहित को ओपनर तक बना दिया गया क्योंकि सफेद गेंद की क्रिकेट में रोहित बेमिसाल हैं. लेकिन, अफसोस की बात है कि नतीजा अब भी असंतुष्टि वाला ही रहा है जिस तरह के खिलाड़ी वो हैं। ऐसे में ये इंग्लैंड दौरा जहां उन्हें 6 टेस्ट खेलने हैं, उनके करियर की सबसे अहम सीरीज है. पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जब बहुत सारे सीनियर खिलाड़ी चोटिल होकर वापस लौट रहे थे तो रोहित के पास हीरो बनने का शानदार मौका था।

लेकिन, उस दौरे पर भी अनुभवी रहाणे और पुजारा के साथ-साथ युवा शुभमन गिल और रिषभ पंत महफिल लूट ले गए. ऐसे में अगर रोहित को विदेशी ज़मीं पर पहला टेस्ट शतक लगाना है तो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से बेहतरीन स्टेज और क्या हो सकती है?

और इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज़ में भी खूब रन बनाते हैं तभी मुमकिन है कि टेस्ट खिलाड़ी के तौर पर रोहित की काबिलियत को लेकर कोई भी ऊंगली ना उठाये. देर से सही रोहित इंग्लैंड पर एक दुरुस्त शुरुआत निश्चित तौर पर कर सकते हैं।

दांत यूं दिखाना!

बेलगाम ट्विटर का ।
इस तरह हो जाना ।।
पक रही क्या खिचड़ी ?
पेश क्या नजराना ?
मानना ही होगा ।
यहां का कानून ।।
जगजाहिर हो गया ।
था गलत जुनून ।।
दुर्भावना हो प्रेरित ।
दांत यूं दिखाना ।।
सहूलियत ना ठीक ।
रूख जो है मननाना ।।
शक्ति का एहसास ।
हुई समय की मांग ।।
बेवजह अड़ाना ।
ठीक नहीं ये टांग ।।

–कृष्णेन्द्र राय

भेड़िये का खौफ और भुवनेश्वर

सुधीर विद्यार्थी

आपने क्या कभी भेड़िया देखा है? मैंने तो इस उम्र तक नहीं देखा। मेरे पड़ोसी ने भी नहीं देखा, न ही पड़ोसी के पड़ोसी ने। शहर के परले छोर पर बसे नागरिकों में से भी किसी ने अपनी आंखों से भेड़िये की सूरत नहीं देखी। पर सबके मन में भेड़िये का जबर्दस्त खौफ है। अक्सर सोचता हूं कि अगर भेड़िया बस्ती के भीतर आ जाए, तो उसकी शिनाख्त कौन करेगा? मेरे एक मित्र बताते हैं कि उन्होंने कई साल पहले चिड़ियाघर में भेड़िये की शक्ल देखी थी, पर आज अगर भेड़िया सामने आ जाए, तो वह उसे पहचान नहीं पाएंगे। पुराने लोग बताते हैं कि मनुष्य पर भेड़िये का आतंक इस कदर होता है कि भेड़िया सामने आने पर वे 'भेड़िया-भेड़िया' नहीं चिल्ला पाते। उनके मुंह से सिर्फ 'भे' निकलता है और इस तरह घबराकर वे भेड़िये का शिकार हो जाते हैं। भेड़िया लोमड़ी से अधिक चालाक होता है। उन दिनों जब गांवों के घरों में प्राय: दरवाजे नहीं हुआ करते थे, तब भरी-चिलचिलाती दोपहरी में छप्पर के नीचे सो रहे छोटे बच्चों को भेड़िया चुपके से उठा ले जाता था और किसी को उसकी आहट भी नहीं मिलती थी। भेड़िया किसी पर उस तरह हमला नहीं करता, जैसे शेर या चीता करते हैं। वह रीछ की तरह भी लोगों को नहीं मारता। यह समझना निरी नासमझी है कि कई बार डरकर भेड़िया छिप जाता है। दरअसल, वह दांव की तलाश में होता है और चुपके-से शिकार पर हमला कर एक बार पीछे हट जाता है।

यदि उसका शिकार घायल हो जाता है, तब भी वह थोड़ी देर तक उसके अशक्त होने की प्रतीक्षा करता है और बाद में उसके निकट पहुंचकर उसे मार डालता है। अपनी बहुचर्चित कहानी भेड़िये में भुवनेश्वर कहते हैं, 'तुमने कभी भेड़िये को शिकार करते देखा है किसी का-बारहसिंगे का? वह शेर की तरह नाटक नहीं करता, भालू की तरह शेखी नहीं दिखाता। एक मर्तबा, सिर्फ एक मर्तबा-गेंद-सा कूदकर उसकी जांघ में गहरा जख्म कर देता है-बस। फिर पीछे, बहुत पीछे रहकर टपकते हुए खून की लकीर पर चलकर वहां पहुंच जाता है, जहां वह बारहसिंगा कमजोर होकर गिर पड़ा है। या, उचक कर एक क्षण में अपने से तिगुने जानवर का पेट चाक कर देता है-और वहीं चिपक जाता है।' भेड़िये के शातिरपने की एक कहानी नन्हीं लाल चुन्नी हमने छोटे दर्जे की किताब में पढ़ी थी, जिसमें एक छोटी बच्ची को रास्ते में भेड़िया मिल जाता है। उसके पूछने पर वह बता देती है कि अपनी नानी के घर जा रही है। भेड़िया उससे पहले वहां पहुंच नानी का रूप धरकर बैठ जाता है और बाद में संक्षिप्त वार्तालाप के बाद उस लड़की पर हमलावर हो जाता है। मैं एक बार गांव के रेलवे स्टेशन से अपने घर ईख के घने खेत से गुजरता हुआ आ रहा था। एकाएक एक कुत्ते जैसा जानवर सामने आ गया, तो मैंने उसकी पीठ पर हाथ फिराया। खेत से बाहर आने के बाद मुझे लगा कि वह एकदम कुत्ते की तरह नहीं था। घर आते ही मैंने बुजुर्गों से चर्चा की, तो उन्होंने बताया कि वह भेड़िया होगा। भेड़िया एकदम प्रहार नहीं करता। वह मौके की तलाश में रहता है। इतना सुनने के बाद मुझे भेड़िये से गजब का डर लगा। लोग लाठियां उठाकर दौड़े, पर तब तक भेड़िया जा या छिप चुका था। भेड़िये में भागने की अद्भुत क्षमता होती है।

वह बहुत ताकतवर होता है और कभी थकता नहीं। कहा जाता है कि कुछ जानवर भेड़िये की गंध पहचान लेते हैं। गाड़ीवान बैलों के चलने की हरकत से जान लेता है कि आसपास कहीं भेड़िये हैं और बैल तेज-तेज दौड़ने लगते हैं। भुवनेश्वर की भेड़िये कहानी में भेड़िये गोलबंद होकर खारू बंजारे की बैलगाड़ी पर हमलावर होते हैं। खूंखार भेड़ियों के झुंड के सामने अपनी जान बचाने के लिए साथ यात्रा कर रहे लोग अपने साथियों-नटनियों, बैलों या बाप को निर्ममता से भेड़ियों के सामने फेंक देते हैं। भुवनेश्वर का कथानायक खारू बंजारा किसी चीज से नहीं डरता, सिवा भेड़िये के। इस कहानी में भेड़िये झुंड-के-झुंड निकलते हैं। कहानी में भेड़ियों का जबर्दस्त आतंक है। इतना कि पाठक सहमा रह जाता है। राजेंद्र यादव की यह सर्वाधिक पसंदीदा कहानी थी। भुवनेश्वर इसी एक कहानी के बल पर हिंदी कथा-साहित्य में दूसरे कहानीकारों पर बहुत भारी हैं। कुछ साल पहले भुवनेश्वर की इस कहानी पर हिंदी में एक लंबी बहस का सूत्रपात हुआ, जिसमें इस रचना की मौलिकता पर सवाल उठाए गए थे। पर राजेंद्र यादव ने इस कथा पर किसी ऐसी छाया का प्रभाव नहीं देखा। वह कहते भी थे कि अगर भेड़िये के पीछे कोई देसी-विदेशी कहानी हो भी, तो इससे क्या फर्क पड़ता है? क्यों हम भेड़िये कहानी को फैंटेसी या रूपक-कथा के रूप में नहीं ले सकते? मूलत: यह कहानी है ही फैंटेसी। मैं सोचता हूं कि अगर भेड़िये पर कविता लिखी जाए, तो वह कैसी होगी? क्या भेड़िये की शातिर आंखें, पैने दांत, नुकीले तेज पंजे अपने पूरे डरावनेपन के साथ कविता में जगह बना सकेंगे? या फिर भेड़िये कहानी लिखते वक्त भुवनेश्वर स्वयं भेड़िये की हिंसक छवि से आमने-सामने हुए होंगे? भेड़िये के बारे में एक बड़ी मशहूर कहावत है कि एक आदमी गांव में अक्सर चिल्ला पड़ता था कि भेड़िया आ गया।

लोग उसे बचाने को दौड़ते, पर बात हर बार गलत साबित होती। एक बार सचमुच में भेड़िया आ गया। वह शख्स चिल्लाया भी, लेकिन तब बचाने कोई नहीं आया।

समाज को देने की प्रवृत्ति ही सबसे बड़ा दान : डीएम

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच शुरू से ही समाज को कुछ न कुछ देने की रही है। यही सबसे बड़ा दान है। इसी तर्ज पर

उनके 49 वें जन्मदिवस पर हिंदु युवा वाहिनी ने भी लगातार दूसरे साल वृहद स्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित किया है, जोकि सराहनीय पहल है। ये बातें हिंदू युवा वाहिनी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर के दौरान जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने कही बता दें कि हिंदू युवा वाहिनी के मंडल प्रभारी व वाराणसी विकास प्राधिकरण के मानद सदस्य अंबरीश सिंह भोला के नेतृत्व में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 49वें जन्मदिवस पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन चल रहा है। रविवार को दूसरे व अंतिम दिन भारी संख्या में युवा पहुंचे और रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया। लोगों की मांग पर दूसरे दिन कबीरचौरा अस्पताल में भी हिंदू युवा वाहिनी की तरफ से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जहां पहले दिन 150 यूनिट एकत्र किया गया, वहीं दूसरे दिन दोनों जगहों पर 150 युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर शुरू होने से पहले ही 250 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया था, लेकिन रक्तदान शिविर शुरू होते ही युवाओं का उत्साह देखते बन रहा था। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने कहा कि मानव द्वारा दिया गया रक्त ही लोगों के जीवन को बचाने का काम करता है। लोगों को मानवता की सेवा के लिए आगे आकर काम करना चाहिए हमारे द्वारा किया गया रक्तदान कई जिंदगियों को बचाता है। इस बात का अहसास हमें तब होता है जब कोई अपना रक्त के लिए मौत और जिंदगी से जूझता है इसलिए हमें रक्तदान के पुनीत कार्य में अपना सहयोग प्रदान करना चाहिए।

इस मौके पर महानगर अध्यक्ष अजय सिंह, मीडिया प्रभारी ओमप्रकाश जायसवाल, रुद्र पाण्डेय, अभिषेक श्रीवास्तव, सुनील कुशवाहा, विकास अग्रहरि, रौनक राय, शेखर सिंह, अमित वर्मा, दीपक सिंह, मनीष मिश्रा, विनय चौरसिया, दिनेश अग्रहरि, मनीष वर्मा, बाबू यादव, उमेश सिंह, अजय सिंह, प्रतीक श्रीवास्तव, शनि गुप्ता, त्रिलोकी शास्त्री, अश्वनी गुप्ता, प्रदीप प्रजापति, ऋषिराज, आशीष मौर्य व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नरेंद्र पांडेय का जिलाध्यक्ष ने किया भव्य स्वागत

प्रखर सन्तकबीरनगर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व हैसर मंडल के निर्वाचित मंडल अध्यक्ष नरेंद्र पाण्डेय का रविवार को जिला मुख्यालय स्थित एक होटल में कार्यक्रम के दौरान भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष बद्री प्रसाद यादव द्वारा नवनियुक्त हैसर मंडल अध्यक्ष नरेंद्र पान्डेय को अंग वस्त्र व माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष बद्री प्रसाद यादव ने कहा कि ऐसे ही तेज तर्रार युवा नेता की जरूरत थी हैसर मंडल में रहा जो मुझे मिल गया। वही अपने संबोधन में नवनियुक्त हैसर मंडल अध्यक्ष वह भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नरेंद्र पान्डेय ने कहा कि मुझे पार्टी द्वारा जो जिम्मेदारी दी गई है मैं उसका शत-प्रतिशत निर्वहन करुंगा। श्री पान्डेय ने वार्ड नंबर 8 से जिला पंचायत सदस्य कृष्णा चौरसिया को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने पर उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर सांसद प्रवीण निषाद, चेयरमैन खलीलाबाद श्याम सुंदर वर्मा, चेयरमैन मगहर संगीता वर्मा, उर्मिला त्रिपाठी, सुनीता अग्रहरी, वैभव चतुर्वेदी, विवेकानंद वर्मा, बुद्धीसागर पान्डेय, समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

जिलाध्यक्ष बने रेल सलाहकार समिति के सदस्य

प्रखर पिंडरा वाराणसी। विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष राजेश पाण्डेय को रेलवे बोर्ड द्वारा पूर्वोत्तर रेल सलाहकार समिति का सदस्य बनाए जाने पर विश्व हिंदू परिषद व भाजपा के कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की और बधाई दी। बधाई देने वालों में वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्वोत्तर रेलवे के सदस्य कौशल मिश्र कौशलेंद्र, भाजपा नेत्री डॉ अर्चना उपाध्याय, डॉ विनोद यादव, चंचल दुबे, पवन पाठक, अवधेश मिश्रा व मुन्ना मिश्रा रहे।

प्रताप बने खटीक समाज के प्रदेश अध्यक्ष

प्रखर पिंडरा वाराणसी। खटीक सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय राज खटीक ने पिंडरा निवासी प्रताप सोनकर को खटीक सेना का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया। उनके मनोनयन पर पिंडरा विस् क्षेत्र के खटीक समाज के लोगों ने प्रसन्नता जताई।

पौधरोपण करके और घोसला लगाकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 5 जून 2021 विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विवंडर फाउंडेशन टीम के सदस्यों ने चंदौली एवं वाराणसी के अलग-अलग क्षेत्रों एवं जगहों पर घोंसला लगा कर एवं वीलुप्त हो रही प्रजाति के पौधों का पौधारोपण करके विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।विवंडर फाउंडेशन जो कि पिछले 3 वर्षों से गौरैया संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रही है।इसी के तहत आज संस्था के सदस्यों ने की कुछ ऐसी प्रजाति के पेड़-पौधे जो दिन पर दिन विलुप्त हो रही है उसी प्रजाति के पौधों को लगाया और यह संकल्प लिया कि आइए इस पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह हम संकल्प लें की प्रकृति से विलुप्त हो रहे पेड़-पौधे की प्रजाति को विलुप्त होने से बचाएं। इन पौधों में खासकर पाकर,गुलमोहर,पलास,कुचला आदि प्रजाति के पौधे का पौधारोपण किया गया। इस दौरान संस्था के अध्यक्ष गोपाल कुमार एवं सदस्य धीरज,बागेश्वर, समर्थ,अदिति,समीक्षा आदि लोग मौजूद थे।

पांक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज आरोपी नीरज सिंह गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। कछवां थाना क्षेत्र में अप्राकृतिक दुष्कर्म करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है पुलिस के अनुसार आज रविवार को थाना कछवा क्षेत्रान्तर्गत कछवां डीह मोहल्ला पीर खां निवासिनी सीमा देवी पत्नी रामेश्वर द्वारा स्थानीय थाने पर स्थानीय निवासी नामजद आरोपी के विरुद्ध आरोप लगाया है कि शनिवार को वादिनी के सात वर्षीय पुत्र अखिलेश यादव को बहला फुसलाकर, ट्रैक्टर पर बैठा कर गंगा नदी के किनारे ले जाकर उसके साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म करने के सम्बन्ध में तहरीर दी गई जिसके आधार पर स्थानीय थाना पर पॉक्सो एक्ट व भा0द0वि0 की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आरोपी इसी थाना क्षेत्र व गांव निवासी नीरज सिंह पुत्र रजिन्दर सिंह को हिरासत में लेकर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की गई।

फावड़े के प्रहार से पुत्र की गई जान आरोपी पिता गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। कछवां थाना क्षेत्र में शनिवार को देर रात पिता व पुत्र के आपस में मारपीट के चलते लगभग तीस वर्षीय पुत्र की जान चली गई जिसमें पिता के खिलाफ वादी की तहरीर पर पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज गिरफ्तार किया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को रात लगभग साढ़े नौ बजे थाना कछवां क्षेत्रान्तर्गत ग्राम आही निवासी शुक्खू हरिजन पुत्र स्व0 सरजू व उसके पुत्र लगभग तीस वर्षीय चन्द्रशेखर हरिजन के बीच पारिवारीक विवाद को लेकर कहा सुनी हो गई । जो मारपीट में बदल गया इस दौरान पिता सुक्खू द्वारा अपने पुत्र चन्द्रेशखर के सिर पर फावड़े से प्रहार कर दिया गया, जिससे वह वहीं जमीन पर गिरकर तड़पने लगा और गंभीर रूप से घायल होने पर उसके पड़ोसी द्वारा इलाज हेतु फौरन रात में ही अस्पताल ले जाया जा रहा था कि रास्ते में ले जाते समय उक्त घायल की मृत्यु हो गई जिसके सम्बन्ध में आज रविवार को वादी ओम प्रकाश पुत्र स्व0 गुलजार निवासी आही थाना कछवां की प्राप्त तहरीर के आधार पर स्थानीय थाना पर अभियोग पंजीकृत कर आरोपी पिता को हिरासत में लेकर अग्रेतर विधिक कार्यवाही की गई ।

शौच के लिए गई किशोरी के साथ युवक ने की छेड़खानी

प्रखर मिजार्पुर। हलिया थाना क्षेत्र के एक गांव में युवक द्वारा किशोरी को अश्लील शब्दों का प्रयोग करने तथा ओवरब्रिज के नीचे पकड़ कर जबरन ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। किशोरी के बड़े पिता ने किशोरी के साथ रविवार दोपहर थाने में पहुंचकर युवक के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि 14 वर्षीया भतीजी अपने चचेरी बहन के साथ बीते 31 मई को लगभग 11 बजे रात शौच के लिए सीवान में गई थी भतीजी का पीछा करते हुए गांव निवासी एक युवक पहुंच गया और अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हुए ओवर ब्रिज के नीचे ले जाने लगा तो साथ में गई मेरी बड़ी भतीजी शोरगुल मचाने लगी। भतीजी के शोरगुल मचाने पर युवक वहां से भाग निकला।

रसूलपुर के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान राजू खान ने गाँव को कराया सेनेटाइज

प्रखर अदलहाट मिजार्पुर। विकास खण्ड क्षेत्र नरायनपुर के अदलहाट थाना क्षेत्र अन्तर्गत रसूलपुर गाँव के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान राजू खान ने गाँव की गलियों एवं रोड पर छिड़काव कराकर गाँव को सेनेटाइज किया गया। गाँव को सेनेटाइज कराने के बाद प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चुनार से डाक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों को बुलाकर ग्रामीणों को वैक्सीन का इन्जेक्शन लगवाया गया। राजू खान कर्मठ, ईमानदार, युवा तेजतर्रार नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान हैं। ग्राम प्रधान राजू खान ने प्रखर पूर्वांचल के जिला संवाददाता असलम खान से वार्ता करते हुए बताया कि ग्रामीणों ने विश्वास करके ग्राम प्रधान की जिम्मेदारी मुझे सौंपी है। मैं उनके विश्वास को कायम रखते हुए गाँव के सर्वांगीण विकास के लिए मैं पूरा समय देकर गाँव का विकास करके आदर्श ग्राम पंचायत बनायेगें।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बरेका में बृहत्त बृक्षारोपण

प्रखर मंडुआडीह वाराणसी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बरेका में बृहत्त रूप से बृक्षारोपण किया गया गया।बरेका की महाप्रबंधक अंजली गोयल सहित विभागाध्यक्षों,अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कोविड-19 के प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए अपने-अपने घरों के प्रांगण में बृक्षारोपण किया। बरेकावासियों द्वारा किये गये इस प्रयास से बरेका परिसर को और ज्यादा हरित एवं स्वच्छ बनाने में सहायता मिलेगी। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष का थीम 'पारिस्थितिक तंत्र पुनर्बहाली हेतु बरेका में जन जागरूकता अभियान चलाकर सभी बरेकावासियों से अपील की गयी थी की विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों के प्रांगण में वृक्षारोपण करें। बनारस रेल इंजन कारखाना अपने स्वच्छ पर्यावरण से स्वस्थ जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है।संपूर्ण परिसर को हरा-भरा रखने के लिए प्रायः पौधारोपण कार्यक्रम होता रहता है।बरेका अपनी प्रत्येक गतिविधियों में पर्यावरण की अनुकूलता के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहते हुए स्वच्छ व हरित भारत के लिए योगदान देता रहेगा।

सपा नेता राहुल यादव का प्रयास लाया रंग

प्रखर सन्तकबीरनगर। समाजवादी पार्टी के युवा नेता व वार्ड नंबर 29 के जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राहुल यादव बादल ने पौली क्षेत्र के उमरिया दीपपुर मार्ग पर वर्षों से पड़ी टूटी

पुलिया के निर्माण के लिए प्रशासन से मिलकर मांग किया था। राहुल यादव बादल ने बताया कि शासन द्वारा तीन माह ही पूर्व ही पुलिया के लिए धन अवमुक्त हो गया था। लेकिन चुनाव के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया था। पुलिया निर्माण कार्य शुरू होने की सूचना पर स्थानीय लोगों में काफी प्रसन्नता दिख रही है। श्री यादव ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा प्रयास करता रहूंगा। पुलिया टूटने की सूचना मुझे जब मिली उसके निर्माण के लिए जिला प्रशासन से मिलकर प्रयास किया जो अब शुरू हो गया है। श्री यादव ने कहा कि विकास और जनता की सुरक्षा मेरी पहली प्राथमिकता में है उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि अभी विकास कार्य का शुरूआत हुआ है आगे विकास का नया नजारा दिखेगा। इस अवसर पर परवीन गौतम, अरूण यादव, शैलेंद्र यादव, दीपक झा समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

पर्यावरण दिवस पर सार्थक सेवा फाउंडेशन ने किया पौधारोपण

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। पर्यावरण दिवस पर सार्थक सेवा फाउंडेशन की तरफ से पौधारोपण का कार्यक्रम बच्चों और महिलाओं ने अपने घर में गमले में पौधा लगाकर संपन्न किया। संस्था की अध्यक्ष पूजा गिरी ने कहा कि सभी को एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए या जगह ना हो तो अपने घरों मे कम से कम पौधा जरूर लगाए। कार्यक्रम में सहभागिता अध्यक्ष पूजा गिरी,महामंत्री सुनीता गुप्ता, उषा गुप्ता,आरती मल्होत्रा,पूनम पांडे, शालिनी केशरी,दिव्यंका गुप्ता, अमन गुप्ता, आराध्या गुप्ता एवं प्रिया सिंह राजपूत की रही।

गांव की खुली बैठक में जन समस्याओं को लेकर हुई चर्चा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। विकास खंड पिंडरा के ग्रामसभा नेहिंया में रविवार को बाबा भैरवनाथ मंदिर के प्रांगण में ग्राम प्रधान श्रीमती पूजा सिंह की अध्यक्षता में खुली बैठक हुई। जिसमें संपूर्ण गांव के लोगों की भागीदारी रही। खुली बैठक मे ग्रामीणों के प्रमुख समस्या पानी पर चर्चा हुई। दूसरी समस्या आवास और शौचालय को लेकर लोगों ने काफी शिकायतें दर्ज कराई । ग्राम प्रधान श्रीमती पूजा सिंह ने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि अगर ब्लॉक स्तर से समाधान नहीं होगा ,तो जिला के अधिकारियों से सम्पर्क किया जाएगा। वही ग्राम पंचायत अधिकारी हरिहर सिंह ने बताया कि आज की बैठक में पानी , शौचालय ,आवास की मेन समस्याओं के साथ-साथ गांव में आवागमन हेतु खडंजा,

इंटरलॉकिंग, सीसी रोड, एवं जल निकासी के लिए नाला निर्माण मनरेगा के निर्माण के साथ साथ अन्य कार्यों के लिए कार्य पर विचार विमर्श हुआ। ग्राम सभा में पूर्व से निर्मित पंचायत भवन का मरम्मत एवं जीर्णोद्धार पर विचार गांव में वृद्धा ,विधवा, विकलांग पेंशन सहित गांव सभा में जनहित के अन्य कार्यों पर भी चर्चा हुई। सामुदायिक पेयजल योजना के निर्माण हेतु कार्य योजना बनाई गई। बैठक में श्रीमती पूजा सिंह के अलावा संदीप सिंह ,पंचायत सेक्रेट्री हरिहर सिंह, डॉ जेपी सिंह, विपिन राय अप्पू, रिंकू सिंह ,छन्नू राजभर , सरोज राजभर सहित कोटेदार भी मौजूद रहे।

अवैध खनन के विरोध में ग्रामीणों ने दिया एक दिवसीय धरना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। चिरईगांव ब्लॉक के ग्रामसभा सथवा किसान न्याय मोर्चा प्रदेश महासचिव अशोक प्रजापति के नेतृत्व में अवैध

खनन के विरोध में ग्राम वासियों एवं प्रजापति समाज के द्वारा एक दिवसीय धरना दिया गया ।5 एकड़ जमीन जो प्रजापति समाज के लिए आवंटित थी। भूमाफिया अवधेश कुमार के द्वारा उसे तालाब के रूप में अपने पक्ष में आवंटन कराने के बाद अवैध रूप से खनन कर कर मिट्टी को बेचने का कारोबार कर रहा था जिस पर प्रजापति समाज के लोगों ने विरोध करना शुरू किया और अभियुक्त के खिलाफ सारनाथ थाना में 29/05/2021 को प्रार्थना- पत्र दिया गया। सारनाथ थाना प्रभारी के द्वारा आज तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिलाधिकारी वाराणसी के यहां इस अवैध खनन के विरोध में पट्टा निरस्त करने के लिए शिकायत दर्ज किया गया है पर आज तक पट्टा निरस्त नहीं किया गया क्योंकि पट्टा आवंटन में यह व्यवस्था धारा 11 में किया गया है कि यदि किसी प्रकार का अवैध खनन करके मट्टी बेचना का कार्य किया जाएगा तो पट्टा निरस्त कर दिया जाएगा पर शासन - प्रशासन के लोग इस तरह से भू माफिया की तरफ मिले हुए हैं कि आज तक उस पर कोई कार्यवाही नहीं किया गया इसलिए प्रजापति समाज के लोगों ने और समस्त ग्राम वासियों ने मिलकर पोखरे पर एक दिवसीय धरना देने का काम किया यदि उनके खिलाफ कार्यवाही नहीं की जाती है तो यह धरना अनवरत चलेगा। धरना देने वालों में ग्राम सभा- सथवा प्रधान बिंदो सिंह ,रमेश प्रजापति (बीडीसी) आकाश प्रजापति मंगू श्रीवास्तव, बैजनाथ प्रजापति, बाबूलाल ,घासी प्रजापति ,शिव शंकर प्रजापति, शारदा प्रजापति, प्यारे लाल प्रजापति ,दुलारी देवी, मुन्नो देवी, आशा देवी, समीर भारद्वाज इत्यादि लोग उपस्थित थे।

दबोचा गया हिस्ट्रीशीटर तमंचा और जिन्दा कारतूस बरामद

प्रखर जखनियां गाजीपुर। विधानसभा जखनिया क्षेत्र के शादियाबाद पुलिस को उस वक्त बड़ी कामयाबी हासिल हुई ।जब आज सुबह 5:30 बजे हंसराज पुर चौकी प्रभारी प्रशांत चौधरी को मय मुखबिर के सूचना मिली की गुरैनी पुलिया के पास एक हिस्ट्रीशीटर संदिग्ध अवस्था में खड़ा है। मौके पर पहुंच कर उसे धर दबोचा ।उसके पास से एक तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पकड़े गए अपराधी संजय पर जंगीपुर और शादियाबाद थाने में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। जिसकी पुलिस को काफी दिनों से तलाश थी। थानाध्यक्ष शिव प्रताप वर्मा ने बताया यह पकड़ा गया अपराधी जिला बदर का अपराधी है और आए दिन क्षेत्र में भ्रमण करता था जिसकी सूचना मिलते ही शादियाबाद चौकी प्रभारी प्रशांत चौधरी कांस्टेबल लखपति राम शिवम सिंह अजय शर्मा ने आज गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

राष्ट्रीय व्यवसायी विकास महासभा का वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न

प्रखर वाराणसी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर व्यवसायी विकास महासभा संगठन की वाराणसी इकाई ने जिला

संयोजक समेत तमाम सदस्यों के साथ मिलकर इस अवसर पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न किया। इस अवसर पर सदस्यों ने पौधारोपण किया गया 6 जून रविवार की सुबह 07:00 बजे सदस्यों ने पर्यावरण को बचाने के लिए संकल्प लेते हुए पौधारोपण का कार्यक्रम जिला संयोजक प्रमोद वेनवंशी जी के आवास पर संपन्न किया गया। इस अवसर पर जिला संयोजक प्रमोद वेनवंशी, जिला अध्यक्ष रोशन अग्रहरि, वरिष्ठजिला उपाध्यक्ष शयाम सुनदर केशरी, राष्ट्रीय अध्यक्ष तपेश्वर चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष त्रिलोकी राम शास्त्री , प्रदेश संगठन महामंत्री सतीश वर्मा, महानगर अध्यक्ष विक्रम सहगल, सदस्य आशु जायसवाल, सदस्य डा.शोभ नाथ सिंह,सदस्य डा.सतोष यादव के अलावा कार्यकरणी सदस्य आशीष आनंद, सदस्य डा.अशवनीय सिंह, सदस्य नवीन सिंह, सदस्य अभिजीत कुमार सहित तमाम स्थानीय लोग भी उपस्थित रहे।

एक व्यक्ति पर दूसरे की भूमि को जबर्दस्ती कब्जा करने का लगा आरोप पीड़ित ने डीएम को दिया शिकायती पत्र

प्रखर सेमरियावां संतकबीरनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के एक निवासी व्यक्ति ने उसी गांव निवासी एक व्यक्ति पर उसकी जमीन को जबरदस्ती हथियाने का आरोप लगाया हैं साथ ही स्थानीय लेखपाल पर भूमि की पैमाईश के एवज में पंचास हजार रुपये मांगने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया है। दुधारा थाना क्षेत्र के भरवलिया बूधन निवासी मुमताज अहमद पुत्र बसीर अहमद ने दिनाक 01-06-2021 को जिलाधिकारी दिव्या मित्तल को दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि गांव में ही मेरा एवं अन्य सहखाता धारो के नाम से आ० न 189/0.0710 व 115स/0.0250 भूमि धरी दर्ज है। आ० न 115स/0.0250 पर गांव के मो. उमर पुत्र मो. रफीक जबरदस्ती दबंगई के बल पर निर्माण कार्य करा रहे थे इसके संबंध में मैंने दुधारा थाने पर सूचना दी थी। जिसके आधार पर पुलिस ने उक्त निर्माण कार्य को रुकवा दिया। लेकिन मो. उमर निर्माण कार्य करने की फिराक में लगा हुआ है। जब मैंने स्थानीय लेखपाल महोदय से आ० न 115स वा 189 के पैमाइश के संबंध में कहा तो लेखपाल महोदय ने उक्त आ० न की पैमाइश करने के एवज में ?50,000 की डिमांड कर रहे हैं। उक्त धनराशि ना देने पर उक्त आराजी को दूसरे को देने एवं कोई भी कागज किसी उच्च अधिकारी के यहां से आने पर गलत रिपोर्ट भेज देने की धमकी दे रहे हैं। साथ ही पीड़ित ने कहा हैं अगर जल्द ही उक्त भूमि की पैमाइश नहीं कराई गई तो मौके पर कभी भी अप्रिय घटना घटित हो सकती हैं। पीड़ित ने जिलाधिकारी दिव्या मित्तल से उक्त आराजी की पैमाइश दूसरे लेखपाल एवं उच्च अधिकारियों द्वारा कराकर अपना रकबा अलग कराने की मांग की है।

आप पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न, समाजसेवी आर्जव पंडित सहित 30 ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की

प्रखर जौनपुर। आम आदमी पार्टी जौनपुर के केंद्रीय कार्यालय चाणक्य प्रॉपर्टीज पर जिला कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई जिसमें समाजसेवी आर्जव पंडित के नेतृत्व में 30 से अधिक लोगो ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। वही बरसठी क्षेत्र के भाजपा के सेक्टर प्रमुख रहे,रोहित दुबे भाजपा छोड़कर आज उन्होंने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और इस बात पर भी चर्चा हुई कि 2022 के चुनाव को लेकर संगठन को कैसे और मजबूत किया जाए।

जिसमें कुछ नए विधानसभा अध्यक्षों को जिम्मेदारी दी गई है। सदस्यता ग्रहण करने वालो में,रोहित दुबे,सुशील,निखिल सिंह, शिवम यादव,नीरज सेठ,अनुराग मिश्रा, कुशल मिश्रा,सुरेश दुबे आदि रहे।

इस मौके पर अधिवक्ता प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव अनुरागमणि त्रिपाठी,यूथ विंग के प्रदेश सचिव विवेक यादव विक्की, जिलाध्यक्ष राजेश अस्थाना, जिला महासचिव आलोक राजभर, जिला कार्यकारणी सदस्य सोम कुमार वर्मा, अमित श्रीवास्तव, बबलू गुप्ता, राजेन्द्र सिंह, प्रेमचंद गौतम, मनीष केशरी,अमर नाथ यादव, गालिब, रिजवान,बंटी अग्रहरि, मो. जैदी, जय प्रकाश, सैफुद्दीन,आर0 एच0 खान आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस पर हिन्दू युवा वाहिनी ने किया वृक्षारोपण

प्रखर वाराणसी। हिंदू युवा वाहिनी जिला जनपद वाराणसी की टीम ने रविवार दिनांक 6 जून को सुबह 7:00 पर्यावरण दिवस के उपलक्ष मे पौधरोपण एवं गाय को चारा वितरित करने का कार्यक्रम हिंदू युवा वाहिनी के सदस्य प्रमोद वेनवंशी "योगी सेवक" के आवास पर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। पर्यावरण दिवस के अवसर पर इसकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया एवं "पर्यावरण की सुरक्षा विश्व का एक छोटी सी उम्मीद" में वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे पदाधिकारी एवं सदस्य निम्न हैं। जिला प्रभारी त्रिलोकी राम शास्त्री, सदस्य प्रमोद बेनवंशी ,सत्य प्रकाश, प्रवीण मिश्रा, तपेश्वर चौधरी, श्यामसुंदर केसरी, रोशन अग्रहरि, आशुतोष जायसवाल, सतीश वर्मा, डॉक्टर सोमनाथ,विक्रम सहगल ,डॉक्टर संतोष यादव इन लोगों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

बाबतपुर, कादीपुर आरओबी सहित 104 करोड़ की रेल परियोजना हुई स्वीकृत : डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय

प्रखर चोलापुर दानगंज। वाराणसी 5 जुन- केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद चन्दौली डॉ महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने संसदीय क्षेत्र के वाराणसी अंचल के अजगरा एवं शिवपुर विधानसभा क्षेत्र में रेल मंत्रालय से अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृत कराया है। कुल 104 करोड़ की स्वीकृत परियोजनाओं के विषय में डॉ पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की वाराणसी जनपद के सर्वांगीण विकास के प्रति स्पष्ट सोच के कारण रेलवे के क्षेत्र में जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सफलता प्राप्त हुई।इस क्रम में- रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) बाबतपुर-बलुआ-महुजी मार्ग पर पड़ने वाली दो व्यस्त रेलवे क्रासिंग जिसमें उत्तर रेलवे के अधीन बाबतपुर रेलवे क्रासिंग समपार संख्या पी16 पर रेल ओवरब्रिज स्वीकृत हुआ है 44 करोड़ की लागत से बनने वाले इस रेल उपरगामी सेतु की टेण्डर से सम्बन्धित सभी औपचारिकताएं जुन के अन्तिम सप्ताह तक पुर्ण हो जायेगी इस पुल के सम्पर्क मार्ग का निर्माण राज्य सरकार के कोटे से कराया जायेगा जिसकी स्वीकृति इसी के साथ हो चुकी है।इसी मार्ग पर पुर्वोत्तर रेलवे के अधीन कादीपुर (चौबेपुर) में समपार संख्या 12 सी पर भी 35 करोड़ की लागत से आरओबी बनाने की सहमति रेल मंत्रालय ने दी है इस आरओबी एवं इस पर बनने वाले सम्पर्क मार्ग के लिए राज्य सरकार की सहमति एवं स्वीकृति की प्रक्रिया अन्तिम चरण में जो कुछ दिनों में स्वीकृत हो जायेगा,शीघ्र ही निकट भविष्य में कोरोना की परिस्थितियां और सामान्य होने पर प्रत्यक्ष सीमित उपस्थिति द्वारा अथवा वर्चुअल माध्यम से दोनों पुलों का शिलान्यास सम्पन्न होगा। उल्लेखनीय है कि डॉ पाण्डेय ने अपने प्रथम संसदीम कार्यकाल में 72 किमी लम्बे बाबतपुर-बलुआ-महुजी मार्ग का निर्माण केन्द्रीय सड़क निधि द्वारा 221 करोड़ की लागत से कराया था इस सड़क के बन जाने के बाद यह वाराणसी शहर के बाहरी रिंग रोड के रुप में शहर के यातायात के दबाव एवं जाम का भार करने में उपयोगी बनी है।72 किमी. लम्बे इस मार्ग पर इन दो रेल क्रासिंग के कारण समय अधिक लगता था अब इन दो आरओबी के निर्माण के साथ ही बिना बाधा के यातायात सुचारू रूप से सम्भव हो जायेगा।आरओबी निर्माण की मांग वर्षों से की जा रही थी डॉ पाण्डेय ने सांसद के रुप में प्रथम कार्यकाल से ही इस पर प्रयास करना जारी रखा था जो अब पुर्ण हो होने जा रहा है भौगोलिक दृष्टि से यह सड़क चन्दौली संसदीय क्षेत्र के सभी विधान क्षेत्रों को एक दुसरे से जोड़ती है इसलिए इन दोनों आरओबी के निर्माण से चन्दौली संसदीय क्षेत्र में आवागमन के बेहतर विकल्प का लाभ लोगों को मिलेगा। इसके साथ साथ रेलवे के क्षेत्र में विकास की कुछ अन्य बहुउपयोगी परियोनाएं भी केन्द्रीय मंत्री डॉ पाण्डेय के पहल पर संसदीय क्षेत्र में हासिल हुई है।

लोहता फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफार्म उच्चीकरण एवं एडिशनल लाइन- डॉ पाण्डेय जी की पहल पर लोहता रेलवे स्टेशन पर निमार्णाधीन फुट ओवर ब्रिज का निर्माण अन्तिम चरण में चल रहा है अक्टूबर माह तक यह फुट ओवरब्रिज लोकार्पित हो जायेगा इसके साथ इसी स्टेशन पर प्लेटफार्म की उंचाई बढ़ाने एवं एडिशनल लूप लाइन के लिए 5 करोड़ की परियोजना की स्वीकृती डॉ पाण्डेय ने पहल कर रेल मंत्रालय से करायी है जिसका निर्माण कार्य दिसम्बर 2021 तक पुर्ण कराया जायेगा।

शिवपुर रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म विस्तार एवं 1.6 किमी लांगर लुप का निर्माण- उत्तर रेलवे के अन्तर्गत आने वाले शिवपुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर एक की उंचाई बढ़ाने एवं उसके विस्तार के लिए 4 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं यह कार्य अक्टुबर 2021 तक पुर्ण कराया जायेगा साथ ही मालगाड़ियों के ठहराव एवं लोडिंग अनलोडिंग के लिए 1.6 किमी लम्बे लांगर लूप के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपए स्वीकृत हो गये हैं यह परियोजना मार्च 2022 तक पुर्ण हो जायेगी।इस लांगर लूप के निर्माण के साथ ही रेलवे के माल परिवहन का प्रत्यक्ष लाभ वाराणसी शहर,जिला एवं आस पास के जिले के लोगों को भी मिलेगा।

व्यास नगर स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज- उत्तर रेलवे के अधीन वाराणसी चन्दौली की सीमा पर स्थित व्यास नगर रेलवे स्टेशन जो व्यस्त रुट पर होने के कारण यात्रियों को प्लेटफार्म पर आने जाने में दुर्घटना का प्रमुख कारण बनता रहा है, समस्या के समाधान के लिए इस रेलवे स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं जिसके टेण्टर आदि की प्रक्रिया जुन 2021 तक पुर्ण हो जायेगी एवं अक्टूबर 2021 तक यह कार्य पुर्ण कराया जायेगा। गाजीपुर रुट पर बनेंगे दो अण्डर पास पुर्वोत्तर रेलवे के अन्तर्गत वाराणसी गाजीपुर रेल रुट पर सारनाथ एवं वाराणसी के बीच गेट नम्बर 22 बी पर रेलवे की निति के अनुरूप एक तरफ बन रहे अण्डरपास से आवागमन में आने वाली अनेक कठिनाइयों को दृष्टिगत रखते हुए इसके निर्माण के दौरान ही डॉ पाण्डेय ने कड़ी आपत्ति जताई थी साथ ही सड़क के दुसरी तरफ भी अण्डरपास के निर्माण के लिए निरन्तर प्रयास जारी रखा अब गेट संख्या 22 बी पर सड़क के दोनों तरफ अण्डरपास का निर्माण कराया जायेगा,रेलवे के निर्माण संगठन एवं रेलवे के मध्य कतिपय कारणों से निर्माण कार्य रुका हुआ है डॉ पाण्डेय के प्रयासों के असर से अब यहां अण्डर पास का निर्माण रेलवे खुद करायेगा।अण्डर पास के निर्माण के लिए 3 करोड़ की धनराशि स्वीकृत हो गयी हैं।

उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश सिंह ने सरकार से बोर्ड परीक्षार्थियों की परीक्षा फीस वापस करने के लिए लिखा पत्र

प्रखर जौनपुर। उ0प्र 0मा0शि0संघ के कार्यकारी अध्यक्ष रमेश सिंह ने प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री / शिक्षामंत्री को पत्र लिखकर यह मांग की है कि बोर्ड परीक्षा को निरस्त कर दिए जाने के कारण परीक्षार्थियों का परीक्षा शुल्क वापस न किए जाने का कोई कारण नहीं दिखाई देता।जब परीक्षाओ के आयोजन पर होने वाले अधिकांश व्यय बच गये हों तो निश्चित रूप से परीक्षार्थियों का शुल्क उनके बैंक खातों में बोर्ड द्वारा अंतरित किया जाना चाहिए। रमेश सिंह ने यह भी कहा कि परीक्षा शुल्क किसी भी दशा में एकमुश्त विद्यालयों को न दिया जाय क्योंकि इससे उस धनराशि के दुरुपयोग होने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता।चूंकि छात्रवृत्ति हेतु अधिकांश परीक्षार्थियों के बैंक खाते खुले हुए हैं जिसका पूरा लेखा-जोखा न केवल विद्यालय बल्कि विभाग के पास उपलब्ध है इसलिए सम्बन्धित परीक्षार्थियों के खातों में शुल्क वापस करने में कोई कठिनाई भी नहीं है।जिन परीक्षार्थियों के बैंक खाते उपलब्ध न हों, सम्बन्धित विद्यालयों के माध्यम से उनका बैंक खाता खुलवाते हुए उनका परीक्षा शुल्क वापस करने की व्यवस्था की जाय।उ0प्र0 मा0शि0संघ का यह स्पष्ट मानना है कि बोर्ड परीक्षाओं के आयोजन हेतु की गयी तैयारियों पर हो चुके छोटे-मोटे व्यय काटकर शेष परीक्षा शुल्क वापस पाना परीक्षार्थियों का मौलिक अधिकार है और बोर्ड द्वारा उन्हें इस अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।यदि परीक्षा शुल्क वापस करने में किसी तरह की आनाकानी बोर्ड या विभाग द्वारा की जाती है तो उ0प्र 0मा0शि0संघ सड़क से लेकर न्यायालय तक इस लड़ाई को लड़ने के लिए विवश होगा जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व बोर्ड/ विभाग एवं सरकार पर होगा।

ग्राम प्रधान ठठरा का प्राथमिक संकल्प, वृक्षारोपण

प्रखर कछवा रोड वाराणसी। ठठरा गांव के प्रधान सुनील बिंद ने वृक्षारोपण कर पेड़-पौधों को प्रकृति का उपहार बताया और संकल्प लिया कि वह अपने गांव में खूब पेड़ लगाएंगे व लगवाएंगे और अपनी जानकारी में एक भी पेड़ को नुक्सान नहीं पहुंचने देंगे। कहा ये प्राणवायु ऑक्सीजन देते हैं साथ पर्यावरण को भी शुद्ध रखते हैं, बढ़ते हुए प्रदूषण को रोकने के लिए वृक्षारोपण हमारी और हर एक गांव वासीयों की जिम्मेदारी है, पेड़ों द्वारा बनने वाली ऑक्सीजन के कारण ही हम जिंदा रहते हैं। भारत में इस समय कोरोना महामारी का कहर है। ऑक्सीजन की कमी से कई मरीजों की मौत हो गई। कोरोनावायरस ने हमें जो दिन

दिखाया है उससे पर्यावरण का संरक्षण ही हमारे जीवन का सुरक्षा कवच है और गांव वालो से ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले पेड़ पीपल,बरगद,नीम,अशोक,बांस, जामुन इनको अपने अपने घरों में लगाने को कहा। वृक्षारोपण प्राथमिक विद्यालय फर्स्ट में किया गया जहा रेनू गुप्ता प्रधानाध्यापक व ग्राम प्रधान सुनील बिंद,पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक,कुछ गांव के ग्रामवासी मौजूद रह कार्यक्रम को संपन्न किया।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने दिवंगत शिक्षकों की याद में लगाएं पेड़

प्रखर कछवा रोड वाराणसी। उत्तर प्रदेश,त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान कोरोना संक्रमित,शहीद हुए 1488 शिक्षकों- कर्मचारियों के याद में प्रदेश के सभी जनपदों में वृक्षारोपण अभियान चला।जिसमें वाराणसी के शहीद हुए बेसिक शिक्षा के 26 शिक्षकों-कर्मचारियों की याद में नगर क्षेत्र के वरुणा पार जोन में स्थित कंपोजिट विद्यालय पिसनहरिया तथा कंपोजिट विद्यालय शिवपुर नॉर्मल स्कूल के मैदान में किया वृक्षारोपण इस अभियान का नेतृत्व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश संयुक्त मंत्री एवं वाराणसी के जिलाध्यक्ष शशांक कुमार पाण्डेय "शेखर" ने किया।मुख्य अतिथि सेवा भारती काशी प्रांत के अध्यक्ष राहुल सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरुणापार जोन के खण्ड शिक्षाधिकारी देवीप्रसाद दूबे व अन्य लोग शामिल हुए। वहां मौजूद अधिकारियों ने बताया असमय शहीद हुए 26 शिक्षकों कर्मचारियों की निशानी बनेंगे यह पौधे।

रामनगर में धूमधाम से मनाया गया महाराज योगी आदित्यनाथ जी का जन्मदिन बाटी गई मिठाईया

प्रखर वाराणसी। रामनगर विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के 50वे जन्मदिन के उपलक्ष्य में विश्व हिंदू महासंघ रामनगर में कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया सुबह सुबह नगर कमिटी के सदस्यों द्वारा पौधा रोपण का कर किया गया और शाम के समय नगर कोतवाल बाबा सिहाबीर के मंदिर पर हनुमान चालीसा आरती के साथ साथ 51 दिप जलाए गए व मिष्ठान वितरण किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल रहे नगर प्रभारी कमलेश तिवारी कोषाध्यक्ष सन्तोष गुप्ता नगर के वरिष्ठ मार्गदर्शक रामु यादव जी नगर उपाध्यक्ष सिद्दार्थ कसेरा (सेठ जी) महामंत्री सम्पूर्णानन्द राय जी सोशल मीडिया शैलेश विश्वकर्मा जी उत्कर्ष श्रीवास्तव अमन निराला अमन सिंह विशाल बरनवाल मच्छरहट्टा अध्यक्ष विभूति द्विवेदी हिमाशु गुप्ता आकाश गुप्ता सुजीत हिन्दू आदि लोग मौजूद रहे।

सपा ने कैंट विधानसभा के नए अध्यक्ष दिलिप कश्यप व सचिव मनोज यादव को दी जिम्मेदारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महानगर समाजवादी पार्टी विधान सभा कैंट का आज सर्व सम्मति से अध्यक्ष घोषित कर दिया गया। कैंट विधान सभा का अध्यक्ष रहे विवेक यादव का पिछले दिनों कोरोना

संक्रमण के चलतें निधन हो गया था जिससे कैंट विधान सभा का पद रिक्त चल रहा था। पिछड़ी जाति के नए अध्यक्ष के मनोनयन से पिछड़ी जातिओ मे उत्साह है महानगर कैंट व दक्षिणी विधान सभा मे आगामी चुनाव मे लाभप्रद साबित होगा। समाजवादी पार्टी ने पिछड़ी जातियों के उपर भरोसा जताते हुए पिछड़ी जाति को तरजीह देते हुए विवेक यादव के अत्यंत करीबी एंव कैंट विधान सभा के महासचिव रहे दिलिप कश्यप को कैंट का अध्यक्ष बनाकर नई जिमेदारी दिया। नव नियुक्त अध्यक्ष दिलिप कश्यप बड़ी गैबी के निवासी हैं युवा होने के साथ युवाओं की अचछी खासी टीम है। अर्दली बाजार स्तिथ समाजवादी पार्टी कार्यालय पर समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा एम एल सी आशुतोष सिन्हा व वरिष्ठ समाजवादी नेतागण व कार्यकर्तागण की मौजूदगी में सर्वसम्मति से कैन्ट विधानसभा का अध्यक्ष दिलीप कश्यप को व महानगर कमेटी में महानगर सचिव के पद पर मनोज यादव को नियुक्त किया गया। पार्टी कार्यालय पर मनोनयन के संदर्भ में उपस्थित सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, एम०एल०सी० आशुतोष सिन्हा, महानगर उपाध्यक्ष विजय मौर्या उर्फ डब्लू , अनिल सिंह पटेल, पार्षद व पार्षद दल के नेता कमल पटेल, युवजन सभा महानगर अध्यक्ष सत्य प्रकाश सोनकर ,पूर्व पार्षद वरूण सिंह महिलासभा महानगर अध्यक्ष पुजा यादव, शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष संजय प्रियदर्शी, पूर्व प्रदेश सचिव इंजीनियर विवेक सिंह, प्रदीप मोदनवाल, दुर्गा यादव,राजबहादुर पटेल, रवि यादव कल्लू, महानगर मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता संदीप शर्मा , दिलीप कश्यप, गोपाल यादव, संजय यादव , आलोक गुप्ता, इस्तियाक अहमद, आशीष शर्मा, दुर्गा यादव, बब्लू बिंद, ईमरान कुरैशी, अजय मिश्रा, नसीम अंसारी, अब्दुल्लाह शाहिद, अनुपम दत्त अवस्थी, रोहित यादव, सूरज गोंड, नंदलाल यादव, ईशु गौतम, विशाल यादव, मनीष यादव, लवकुश यादव ,एडवोकेट दिनेश विश्वकर्मा, आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पर्यावरण दिवस पर आइडियल वूमेन संस्था ने किया वृक्षारोपण

प्रखर मंडुआडीह वाराणसी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आइडियल वूमेन वेलफेयर सोसाइटी संस्था की तरफ से भुल्लनपुर के पांडेय कटरा रोड और रुद्रेश्वर महादेव मंदिर के पास नीम,आम व पीपल के पौधे लगाए गए साथ ही साथ उन्हें सुरक्षित करने की व्यवस्था भी की गई ताकि ये पेड़ जीवित रह सके और इसकी नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया गया जो बहुत ही जरूरी था क्योंकि पौधे लगाने से ज्यादा उन्हें सुरक्षित रखने की जरूरत है।भले दो ही पौधे लगाए लेकिन उन्हें सुरक्षा दे उनकी नियमित देखभाल करें। वृक्षारोपण के कार्य में संस्था सचिव बीना सिंह,उपाध्यक्ष राखी रानी के साथ बीडीसी दिलीप तिवारी और राजेश गिरी का सहयोग रहा।

फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति ने 300 पथ विक्रेताओं को कोविड-19 बचाओ किट एवं खाद्य सामग्री का किया वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दशाश्वमेध पर से फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति से जुड़े बड़ी संख्या में लगभग 300 शहरी स्ट्रीट वेंडरों को भारतीय जनता पार्टी महानगर अध्यक्ष विद्यासागर राय ने कोविड-19 बचाओ किट एवं खाद्य सामग्री जिसमें बाल्टी ,मास्क, सैनिटाइजर,ग्लब्स, साबुन, तौलिया, ब्रेड, जैम,पानी,बिस्कुट रखकर वितरण किया व कहा कि सरकार की प्राथमिकताओं में प्रथम स्थान स्ट्रीट वेंडरों का है। स्ट्रीट वेंडरों ने जिस प्रकार वैश्विक महामारी में अपने व अपने परिवार को सुरक्षित रखते हुए सेवा भाव से अपनी नैतिक जिम्मेदारियों निर्वहन किया है वह अद्भुत है इस वितरण कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से आप सभी से अपील करता हूं कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पर्याप्त मात्रा में निर्धारित तिथि से स्ट्रीट वेंडरों को सभी सरकारी अस्पतालों में वैक्सीन लगाई जानी है आप सभी से अनुरोध है कि वैक्सीन अवश्य लगवाए। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह महादेव जी ने कहा कि कोविड जैसी वैश्विक महामारी में भी जिस प्रकार उत्तर प्रदेश सरकार के ने स्ट्रीट वेंडरों का ध्यान रखा है वह बहुत सराहनीय है।.फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम ने कहा कि कोविड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण निःशुल्क राशन व पंजीकृत स्ट्रीट वेंडरों को 1000 मात्र भरण-पोषण भत्ता मिलने से काफी राहत मिलेगी। वितरण में मुख्य रूप से उपसभापति नरसिंह दास , भारतीय जनता पार्टी महानगर उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव ,प्रकाश कुमार श्रीवास्तव , मनोज कुमार ,अनिल कुमार ,लक्ष्मण केशरी ,अनूप गुप्ता ,शीला देवी , धर्मराज ,मनोज यादव,चंद्र श्रीवास्तव , मुन्नी देवी ,कुंती देवी ,मनोज गुप्ता , शिवनाथ सोनकर (अध्यक्ष (शिवपुर) सहित इत्यादि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

बोलेरो व बाइक की जोरदार टक्कर मौके पर ही एक मौत दूसरा गम्भीर रूप से घायल

प्रखर केराकत जौनपुर। क्षेत्र के पचवर डगरा के पेट्रोल पंप के समीप बोलेरो व बाइक की जोरदार टक्कर हो गयी !टक्कर इतनी भयानक थी कि मौके पर एक मौत होई और दूसरा गम्भीर रूप से घायल हो गया । बता दे कि रियाज पुत्र बैतुल्लाह ग्राम शहाबुद्दीनपुर पोस्ट मुफ्तीगंज थाना गौराबादशाहपुर व असगर पुत्र जुमराती मोहल्ला सिपाह केराकत जो जौनपुर से अपने घर लौट रहे थे कि बोलेरो से जबरदस्त टक्कर हो गयी टक्कर में रियाज की मौके पर ही मौत हो गई व असगर की हालत नाजुक देख उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

गौरव कपूर द्वारा लगातार बाँटी जा रही राशन सामग्री

प्रखर वाराणसी। कोविड महामारी ने रोज कमाने खाने वाले लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। कोरोना की वजह से जो हालात पैदा हुए हैं उनमें सबसे बड़ा संकट है काम का। ऐसे में वो वर्ग जिसके लिए हर रोज का दाना हर दिन के काम पर आश्रित होता है, बुरी तरह मुश्किल में है। कोरोना महामारी के इस तबाही भरे दौर में बहुत से लोग मदद को सामने आए हैं। सामर्थ्यवान लोगों ने जरूरतमंदों को मदद पहुंचाई है। कांग्रेस पार्टी के युवा नेता, गौरव कपूर, लगातार लोगों को राशन किट और मास्क वितरण कर रहे हैं। गौरव कपूर की पहल पर इनटैक का वाराणसी चैप्टर और कला प्रकाश का सहयोग जारी है। उसी पहल को आगे बढ़ाते हूए, कांग्रेस पार्टी की ओवरसीज विभाग के ऑस्ट्रेलिया के लोगों ने वाराणसी के कुछ परिवारों के लिये राशन किट और मास्क भिजवायें। वाराणसी के कांग्रेस के गौरव कपूर के द्वारा भदैनी, सराय नंदन, बजडीहा और मीर घाट के बहुत परिवारों को आज राशन किट और मास्क बांटा गया। ओवरसीज कांग्रेस ऑस्ट्रेलिया के मनोज शीओरन के फोन पर कहा की कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मदद कर रही है लोगों का इस दौरान और हमारे चेयरमैन साम पितरोडा को लगा की वाराणसी जैसी पवित्र नगरी में मदद ज्यादा से ज्यादा लोगों की मदद जरूर करनी चाहिए।

संतकबीरनगर से कृष्णा चौरसिया को बीजेपी जि.पं. अध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाने पर हिंयुवा व बीजेपी कार्यकर्ताओं का फूटा गुस्सा

प्रखर संतकबीरनगर । रविवार को जिले में सियासी पारा और तेज गया हैं। जब बीजेपी जिला अध्यक्ष बद्री प्रसाद यादव और मेहदावल विधायक राकेश सिंह बघेल के खिलाफ हिंदू युवा वाहिनी और बीजेपी कार्यकताओं का गुस्सा फूट पड़ा और बीजेपी के इन दोनों नेताओं के खिलाफ कार्यकताओं मुदार्बाद के नारे लगाते हुए संतकबीरनगर से बीजेपी से कृष्णा चौरसिया को जि0पं0अध्यक्ष का प्रत्याशी बनाये जाने पर अपना विरोध दर्ज किया।इस दौरान बीजेपी के वरिष्ठ नेता छेदी यादव ने कहा कि जिलाध्यक्ष बद्री प्रसाद यादव और मेहदावल विधायक राकेश सिंह बघेल ने अपने व्यक्तिगत फायदे के लिए जिला पंचायत सदस्य के चुनाव में मेरा विरोध किया तो वही वार्ड नंबर 8 में मुझे जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हरा चुके बीएसपी के समर्थित प्रत्याशी कृष्णा चौरसिया को

बीजेपी जि0पं0अध्यक्ष का प्रत्याशी बनाया हैं। जो पार्टी कार्यकताओं के लिए काफी गलत हैं इन दोनों नेताओं ने अपने फायदे के लिए बीजेपी के जमीनी कार्यकताओं की मेहनत को खत्म करने में लगे हैं। उन्होंने कहा जि0पं0अध्यक्ष का प्रत्याशी सिर्फ बीजेपी का कार्यकर्ता ही लड़े जिसके लिए हम अपनी बातो को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से मिलकर अपनी रखेंगे। इस दौरान बीजेपी कार्यकताओं ने जिला अध्यक्ष बद्री प्रसाद यादव और मेहदावल विधायक राकेश सिंह बघेल पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के जमीनी कार्यकताओं के साथ इन्होंने छल किया हैं उन्होंने कहा कि पार्टी की शाख इन्हीं कार्यकतोओं की बदौलत स्थापित हैं लेकिन जिले के इन दो नेताओं ने अपने निजी फायदे के लिए पार्टी के बारे में नहीं सोचेंगे। इस दौरान मौजूद रहे पूर्व मंडल अध्यक्ष गजेन्द्र पांडे, किसान मोर्चा जिलाअध्यक्ष अनिल पांडे, काटे मंडल के महामंत्री सत्यप्रकाश पाठक,बैजनाथ पाठक, आनंद त्रिपाठी, मीडिया प्रभारी अमित श्रीवास्तव तमाम बीजेपी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी ओकास अंसारी ने मजदूर एवं बुनकरों को बांटा राशन किट

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सरैया में अल्पसंख्यक कांग्रेस के जानिब से इस कोरोना काल में लगे लाकडाउन में पार्षद एवं अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी ओकास अंसारी की तरफ से गरीब मजदूरो एवं बुनकरों को राशन किट बाँटा गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में पुर शहर अध्यक्ष एवं पार्षद दल के नेता सीताराम केशरी थे। इस अवसर पर सीताराम केशरी ने कहा की इस लॉकडाउन में जहा सब लोग अपने अपने घरो में कैद है और सभी का कारोबार बन्द है जिसके कारण गरीब मजदूर और बुनकर भाइयो को राशन किट किट हाजी ओकास अंसारी की तरफ वितरण किया गया इस तरह का कार्य ये हमेशा करते रहते है जिसमे आज लगभग 250 लोगो को राशन किट दिया गया हम कांग्रेस हमेसा से सेवा भाव से लोगों की मदद करते है । इस मौके पर हाजी ओकास अंसारी ने कहा की इस लाकडाउन में इससे पहले कुछ अपनों की मदद से हम लोगो ने तीन फ्री मेडिकल कैंप लगा कर सैकडा लोगो को फ्री में दवा दी गयी आज उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए 250 लोगो को पंच किलो आटा दो किलो चावल दो किलो आलू एक किलो दाल 250 ग्राम सरसों का तेल एक किलो नमक

का किट बना कर जरुरत मंदो को दिया गया ये हम सब का एक छोटा सा प्रयास है और ये प्रयास अपनों की मदद से इंशाह अल्लाह आगे भी जारी रहेगा । आज इस मौके पर शाहिद तौसीफ ,दयाराम पटेल ,अफरोज अंसारी । पार्षद रमजान अली पार्षद, अफजाल अंसारी पार्षद, बेलाल अंसारी ,हाजी यासीन ,अब्दुल रब ,इकबाल बाबू , जुनैद अंसारी ,यासीन ,अमान अंसारी आदि लोग मौजूद थे ।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं